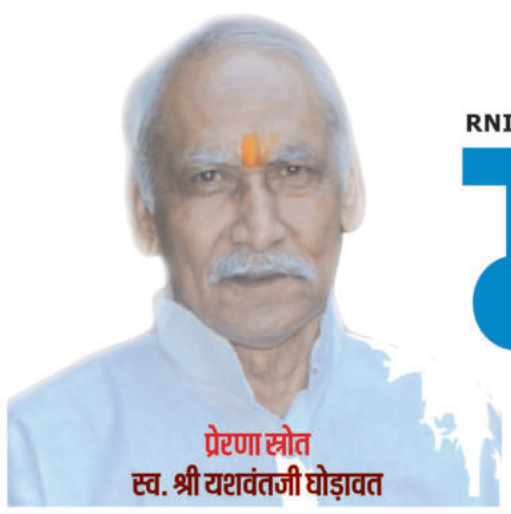
प्रेरणा स्रोत
स्व. श्री यशवंतजी घोड़ावत

RNI No. MPHIN/2018/76422

बेबाकी के साथ..सच

माही की गूंज

Www.mahikigunj.in, Email-mahikigunj@gmail.com

सुविचार

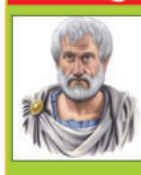

जो मुर्ख अपनी मुर्खता को जानता है, वह धीरे-धीरे सीख सकता है, पर जो मुर्ख अपने को बुद्धिमान समझता है, उसका रोग असाध्य है।

अस्तू

वर्ष-06, अंक - 18 (साप्ताहिक) खवासा, गुरुवार 25 जनवरी 2024 पृष्ठ-8, मूल्य -5 रुपए

प्रतिष्ठा पूर्ण... प्रतिज्ञा पूर्ण... प्रतीक्षा पूर्ण...

न भूतों... न भविष्यति श्री राम भी आए... दिवाली भी मनाई

माही की गूंज, संजय भटेवरा।

झाबुआ। इस वर्ष की मकर संक्रांति का सूर्य उत्तरायण होना पूरे देश में एक अलग उत्साह और उमंग लेकर आया। सरयु के तट की उठी लहर ने पूरे देश को भक्ति के रंग में सराबोर कर दिया। मकर संक्रांति से ही पूरे देश में भक्ति का एक अलग ही माहौल था जिसे शब्दों में बयां करना संभव नहीं है और यह उत्साह उस वक्त अपने चरम पर पहुंच गया जब 140 करोड लोगों के प्रतिनिधि के रूप में देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रामलला की प्राण प्रतिष्ठा हेतु गर्भ ग्रह पर प्रवेश किया। पूरा देश उस 84 सेकंड के अभिजीत मुहूर्त का बेसब्री से इंतजार कर रहा था। घड़ी की सुई अपने नियम से चल रही थी और ठीक 12:29:08 से 12:30:32 बजे पूरे देश के मंदिरों में शंख और घड़ियाल की ध्वनि के साथ ही आतिशबाजी के साथ करतल ध्वनि के बीच रामलला के प्राण प्रतिष्ठा के समय देश का प्रत्येक नागरिक भाव विभोर होकर अपने आराध्य प्रभु श्री राम का पलके बिछाकर स्वागत कर रहा था।

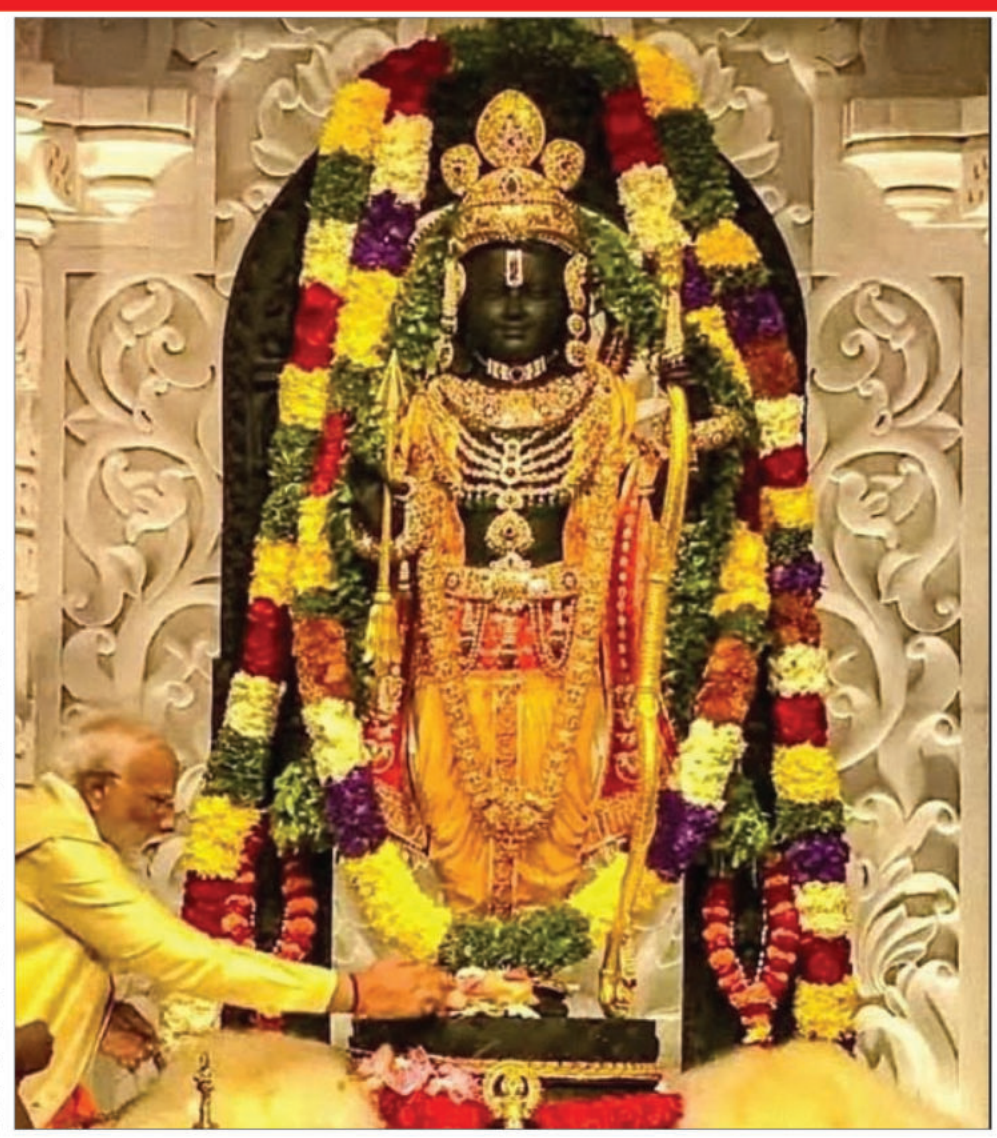

अद्भुत... अविश्वसनीय... अकल्पनीय...

पूरे देश में श्री राम के आगमन को लेकर जो उत्साह था वह अद्भुत... अश्वनीय... और अकल्पनीय... था जिसे शब्दों की माला में पिरोना संभव नहीं है। श्री राम की भक्ति क्या बड़ा... क्या छोटा... क्या जवान... क्या वृद्ध... क्या बच्चे... क्या बूढ़े... क्या पुरुष... क्या महिलाएं... सभी एक रंग में डूबे थे सभी के मन में केवल रामभक्ति ही थी। जाति पंथ और संप्रदाय की खाई को मिटाकर पूरा देश केवल और केवल राम भक्ति में लीन था। ऐसे नजारे की न किसी ने कल्पना की थी और न ही कोई भविष्य में ऐसा देख पाएगा। जब सारा देश, देश के मुखिया के हाथों हो रही प्राण प्रतिष्ठा को अपने हाथों से हो रही प्राण प्रतिष्ठा मान रहा था और अपने नगर, अपने मोहल्ले और अपने गांव को ही अयोध्या मानकर अपने नजदीकी मंदिर में प्रभु की भक्ति में लीन था।

कोरोना की हताशा से लेकर प्राण प्रतिष्ठा के उत्साह तक...

2014 में पूर्ण बहुमत की सत्ता संभालने वाले देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के शासनकाल में देश की जनता ने कई उतार-चढ़ाव देखे, आपदा देखी लेकिन फिर भी देश पिछले 9 वर्षों से मोदी के हर फैसले के साथ खड़ा है। चाहे नोटबंदी हो.. जीएसटी लागू करना हो... कश्मीर में 370 हटाना हो... जनता कर्फ्यू हो... थाली या ताली बजाना हो... लॉकडाउन के नियमों का पालन करना हो... भारी आपदा के बीच जब चारों और हताशा और निराशा का भाव था, चारों तरफ हाहाकार मचा था रोज मरने वालों का आंकड़ा बढ़ता ही जा रहा था। तब भी मोदी की एक आवाज पर पूरा देश दीपक की लो से जगमगा गया था। फिर टिका करण की खुशी आयी, सबने अपनी बारी का इंतजार किया और नियमानुसार टीकाकरण करवाया लेकिन कभी भी प्रधानमंत्री के फैसलों पर संदेह व्यक्त नहीं किया।

यह सब जनता के विश्वास से ही संभव हो पाया कि, आज देश नव्य और भव्य मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा का साक्षी बनने पर प्रधानमंत्री जी को धन्यवाद देकर अपने आप को भाग्यशाली समझ रहा है।

गांव और शहरों में एक जैसा माहौल

मकर संक्रांति से ही पूरे देश में प्रभात फेरी और संध्या फेरी निकलना प्रारंभ हो गई थी और हर घर की साज सज्जा और सफाई हो गई थी। प्रभात फेरी में बड़ी संख्या में लोग शामिल होकर राम नाम जप रहे थे, भजन कर रहे थे, कीर्तन कर रहे थे। सबसे बड़ी बात की यह क्रम शहरों और गांवो में एक समान था। प्रतिदिन बड़ी संख्या में नए लोग जुड़ते जा रहे थे। मेरा गांव मेरी अयोध्या की तर्ज पर लोगों ने मेरा मोहल्ला मेरी अयोध्या से लेकर मेरा घर मेरी अयोध्या तक कर लिया था। 22 जनवरी को पूरे देश में जो शोभायात्रा निकाली गई वह अद्भुत और अविस्मरणीय थी और जो उत्साह देखा गया वह अकल्पनीय था।

70 दिनों बाद फिर दिवाली

आमतौर पर दीपावली 1 वर्ष में एक बार मनाई जाती है। लेकिन इस बार रामलला के आगमन को लेकर लोगों ने 70 दिनों बाद ही फिर से दिवाली मना ली और यह दीपावली उस दीपावली से भी बढ़कर थी। हर घर पर भगवा लहरा रहा था, हर मोहल्ला तोरण द्वारों से सजा हुआ था, हर घर पर श्री राम के स्वागत के लिए रंगोली बनी थी, दीपक जले थे, आतिशबाजी की गई थी और पूरा देश उत्साह और उमंग की लहरों पर सवार था। हर मुंह पर एक ही शब्द था श्री राम आएंगे और 22 जनवरी को श्री राम आए भी, दीपक भी जलाए गए... दीपावली भी मनाई गई...।

समस्त जिलेवासियों एवं ग्राम खवासा के सम्माननीय नागरिकों को

गणतंत्र दिवस की हार्दिक बधाई एवं ढेर सारी शुभकामनाएं

श्रीमती गंगाबाई खराड़ी
सरपंच ग्राम पंचायत खवासा

श्री शंकरसिंह खराड़ी
सरपंच पुत्र एवं भाजपा मंडल उपाध्यक्ष

श्रीमती माया चौधरी
जनपद उपाध्यक्ष थांदला

श्री कांतिलाल परमार
सचिव ग्राम पंचायत खवासा

श्री मनोहर बारिश
उपसरपंच

श्री भेरूलाल डिंडोर
पंच वार्ड क. 1

श्रीमती ब्रहमावति डिंडोर
पंच वार्ड क. 2

श्री कांतिलाल भटेवरा
पंच वार्ड क. 3

श्री हरचंद खराड़ी
पंच वार्ड क. 4

श्रीमती ममता जैन
पंच वार्ड क. 5

श्रीमती सुरजा डामर
पंच वार्ड क. 6

श्रीमती नीतादेवी चौहान
पंच वार्ड क. 7

श्री कैलाश मालवीय
पंच वार्ड क. 8

श्रीमती बुवारी डिंडोर
पंच वार्ड क. 9

श्रीमती सिमरन पाटीदार
पंच वार्ड क. 10

श्रीमती रंजना पाटीदार
पंच वार्ड क. 11

श्री सुनील पाटीदार
पंच वार्ड क. 12

श्री राकेश पाटीदार
पंच वार्ड क. 13

श्रीमती राजूबाई सिसौदिया
पंच वार्ड क. 14

श्री रमेश सिंगाड
पंच वार्ड क. 15

श्री संतोष लोहार
पंच वार्ड क. 16

कु. ज्योति वसुनिया
पंच वार्ड क. 17

श्री मडिया सिंगाड
पंच वार्ड क. 19

श्रीमती पिंकी सिंगाड
पंच वार्ड क. 20

सौजन्य - ग्राम पंचायत खवासा, जनपद पंचायत थांदला जिला झाबुआ

लगातार बढ़ते जा रहे मनरेगा में भारी मशीन के उपयोग के मामले

दूसरी बार जनसुनवाई में शिकायत पर मिला जांच का आश्वासन , कोदली में शिकायतकर्ता पर हमला

माही की गूंज, पेटलावद। राकेश गेहलोत

बाछीखेड़ा ग्राम पंचायत में मनरेगा योजना में बने सार्वजनिक कुप पर जेसीबी से भराव भरते हुए।

ग्राम पंचायत कोदली में जावदल के सामने ही विवाद व शिकायतकर्ता के साथ गाली गलोच।

जनपद पंचायत के अंतर्गत मनरेगा योजना में होने वाले कार्यों में मजदूरी ओर सामग्री का रेशा बड़े स्तर पर बिगड़ा हुआ है । जिसके चलते न केवल पुराने कार्यो के भुगतान अटके पड़े हैं बल्कि ग्राम पंचायतों को नए कार्य तक स्वीकृत नही हो रहे। अधिकारी आये दिन सचिवों ओर रोजगार सहायकों की बैठक लेकर मजदूरी का रेशा सुधारने का ज्ञान बाट रहे हैं। तो वही दूसरी और मनरेगा के कार्यों में भारी मशीनों का उपयोग कर मजदूरों के हक पर डाका मारने की शिकायत मय प्रमाण के अधिकारीयो से की जा रही है। जहा से केवल ओर केवल जांच का आश्वासन मिलने के अलावा कोई बड़ी कार्यवाही देंखने को नही मिल रही है । पूर्व में ग्राम पंचायत मांडन, डाबड़ी सहित कई पंचायतों की शिकायत मय प्रमाण के ग्रामीणों द्वारा की गई। लेकिन कोई बड़ी कार्यवाही देंखने को नही मिली। जिससे जनपद में बैठे जिम्मेदार अधिकारियों की मिलीभगत को साफ देखा जा सकता है। ग्राम पंचायत बाछीखेड़ा से पूर्व में भी कई भ्रस्टाचार की शिकायतें की जा चुकी है। जिस पर पर्दा डाल कर अधिकारी और भ्रष्टाचार के लिए ग्राम पंचायत को प्रेरित कर रहे हैं।

ताजा मामले में ग्राम पंचायत के ग्रामीणों ने 16 जनवरी को जनसुनवाई में शिकायत दर्ज करते हुवे बताया था कि ग्राम पंचायत के सरपंच पति द्वारा मनरेगा योजना में मजदूरों के हक पर डाका डालते हुए सार्वजनिक कूप के निर्माण का कार्य जेसीबी से करवाया जा रहा है ओर कार्य पर चलती जेसीबी मशीन का वीडियो बनाने पर जान से मारने की धमकी दी जा रही है।

शिकायतकर्ता प्रेमसिंह ने बताया कि, ग्राम पंचायत लगातार इस प्रकार का कृत्य कर गरीब मजदूरों के हक पर डाका मार रही है और फर्जी कागजी कार्यवाही कर खानापूर्ति के नाम पर करीबी रिश्तेदारो के जाबकार्ड भर कर फर्जी रूप से मजदूरों का कार्य करना बताया जा रहा है ओर जिन लोगो ने ईमानदारी से मजदूरी की उनका कोई भुगतान नही किया गया।

भ्रष्टाचार में गले-गले तक डुब चुकी जनपद पंचायत पेटलावद।

कोई नही आया जांच के लिए,दोबारा पहुँचा जनसुनवाई में

जनसुनवाई में होने वाली शिकायत पर त्वरित कार्यवाही के सरकारी दावे खोखले नजर आ रहे हैं । शिकायतकर्ता प्रेमचंद मेड़ा ने शिकायत के बाद 08 दिन तक जांच पर कोई नही आया । इस संबंध में जनपद से जांच जानकारी जुटाई तो कोई जानकारी नही मिली तो शिकायतकर्ता 23 जनवरी को दोबारा जनसुनवाई में पहुँच गया। जहां शिकायतकर्ता ने अधिकारियों को वीडियो उपलब्ध करवाते हुए जांच और कार्यवाही की मांग की थी।

एसडीएम अनिल कुमार राठौर के सामने मामला पहुँचा। जहा जनपद के अधिकारि इस संबंध में कोई जबाब नही दे पाये। एसडीएम राठौर ने इस मामले में तुरंत कार्यवाही के निर्देश दिए।

जांच टीम के सामने ही शिकायतकर्ता पर हमला

जनपद पंचायत में पहले तो भ्रष्टाचार और फिर शिकायत हो तो, शिकायत कर्ता को धमकी आम बात हो चली है। मांडन के बाद बाछीखेड़ा में भी सरपंच पति द्वारा शिकायतकर्ताओ को धमकाया गया। ग्राम पंचायत कोदली में भी ऐसा मामला सामने आया जहां ग्राम पंचायत में पंच परमेश्वर ओर 15 वित्त की राशि ने होने वाले निर्माण कार्यो में धंधली ओर बिना कार्य किये राशि आहरण करने के शिकायत जिला कलेक्टर के पास जनसुनवाई में पहुँची थी । विगत दिनों शिकायत की जांच के लिए अधिकारीयो का एक दल ग्राम पंचायत कोदली पहुँचा था। जहां जाँच टीम के सामने ही लोग आपस मे भीड़ गए। मिली जानकारी के अनुसार सरपंच के भाई और पुत्र ने शिकायतकर्ता को जान से मारने की धमकी और गाली गलौच की ओर जांच दल को जांच तक नही करने दी। जनपद पंचायत पेटलावद में चल रहे भ्रष्टाचार के खेल की यदि उच्च स्तरीय जांच की जाये तो फर्जी मजदूरी से लेकर फर्जी बिलो के भुगतान के साथ करोड़ो की जीएसटी टेक्स की चोरी के बड़े घपले सामने आ सकते हैं।

रामलला की आरती के साथ कारसेवकों का किया सम्मान

माही की गूंज ,पेटलावद।

अयोध्या में रामलला विराजित होने की पटकथा तो कारसेवकों ने पहले ही लिख दी थी। रामलला अयोध्या में विराजित हो चुक है तो उस समय के कार सेवको के सीने गर्व से फुले हुए है । उक्त बात कार सेवक अनोखी लाल मेहता ने कही । वही कार सेवक आज़ाद गुगालिया ने कहा की पूरा देश खुशियां मना रहा है वही साथ मे उस संघर्ष के समय में अपनी सेवाएं कार सेवको के रूप में देने वाले कार्यकर्ताओ को भी पूरे देश ने भुला नहीं है , अयोध्या वेलफेयर सोसायटी ने भी इस कढ़ी में हमे बुलाकर हमारा सम्मान किया उसके लिए हम सादर धन्यवाद प्रेषित करते हैं।

पेटलावद मे बामनिया रोड़ पर अयोध्या विला पेटलावद पर अयोध्या वेलफेयर सोसायटी ने अयोध्या की भूमि पर पहुँचने वालो में कार्यकर्ता कार सेवक बनकर शामिल हुए अनोखीलाल मेहता, आजाद गुगलिया, , रामप्रकाश त्रिपाठी के हाथो राम लला की आरती की गई स कार्यकर्ता जो पेटलावद नगर से शामिल हुए थे। जगह जगह आयोजन में बामनिया रोड़ पेटलावद के अयोध्या विला पर हुवे आयोजन में रामलला की महा आरती कार सेवको का सम्मान, शाल श्रीफल गमछा भेंटकर सम्मान किया गया साथ ही ठंड से ठिठुरते लोगो की सहायता के लिए अयोध्या वेलफेयर सोसायटी के सदस्य दीपक सोलंकी की माताजी स्वर्गीय सुशीला देवी की स्मृति में कंबल केंद्र का शुभारंभ किया गया। उक्त आयोजन में कारसेवकों के आलावा अध्यक्षता लोकेश भण्डारी व विशेष अतिथि के रुप में प्राचार्य औंकार सिंह मेड़ा मंच पर मौजूद थे । कार्यक्रम का संचालन राकेश गेहलोत ने किया, मनोज पुरोहित ने संस्था के किए सामाजिक कार्यों का उल्लेख करते हुए कृतज्ञता व्यक्त की, ओर आज के अविस्मरणीय पल में अहम योगदान देने पर तरुण चौधरी ने सभी का आभार माना। कार्यक्रम में मनोहर डोडिया, आशीष बाविस्कार, दीपक सोलंकी, राकेश डुंगरवाल, रचित गादिया, खुश मांडोत, प्रियांस कटारिया, लाला चौधरी, प्रकाश मूलेवा, महेश काग, राजू मोरिया, राजेश यादव, रवि राजपुरोहित, विदित शाह, मुकेश आर्यन, विजेंद्र जादौन, शंकर राठौड़,जितेंद्र भट्ट, घनश्याम चौहान, ईश्वर गुर्जर, शांतिलाल गेहलोत, सपना चौहान के साथ कई महिला मंडल साथी उपस्थित थे।

हुआ बहुमान व जयकार यात्रा, 19 फरवरी को होगी दिक्षा

माही की गूंज , रायपुरिया।

पूज्य महासती श्री मनप्रसन्ना श्री जी ,एवं पू महासती साध्वी श्री राजप्रसन्ना श्री जी म. सा. की पावन निश्रा मे श्री भगवान सुमितनाथ जैन उपाश्रय भवन पर लिमडी नगर से मुमुक्षु बहन मोक्षा परेश शाह का सकल संघ द्वारा बहुमान किया गया इस अवसर पर पूज्य महासती जी ने मोक्षा के व उनके वीर माता पिता के साहस की प्रसंशा करते हुए कहा कि भोतिक युग मै सयंम के मार्ग पर चलने वाले विरले ही होते है , मोक्षा बहन को आशीर्वाद प्रदान करते हुए कहा कि अपने अंतिम लक्ष्य तक यही उत्साह धर्म के प्रति रखना और जिनशासन का गौरव बढाना पश्चात मुमुक्षु बहन ने श्री संघ को 19 फरवरी दिक्षा मे पधारने का आमंत्रण दिया । इस अवसर पर स्थानक, मंदिरमार्गी ,तेरापंथ संघ से श्रावक श्राविकाएं उपस्थित थे कार्यक्रम का संचालन विजय जैन ने किया पु.महासती जी के मंगल पाठ के बाद मंदिर से जयकार यात्रा अनिल मुथा के निवास पर पहुंची जहां पर महिला मंडल द्वारा सामुहिक अनुमोदन स्तवन गायन किया।

जातिवाद से ऊपर उठकर मना श्री राम प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव

मुस्लिम समाज ने राम भक्तो का किया फुलो से स्वागत

माही की गूंज, खवासा।

जिला ही नहीं पूरे देश में, श्री राम प्रतिष्ठा महोत्सव को लेकर राम मय माहौल, जातिवाद से ऊपर उठकर देखा गया। जो आने वाले समय में स्वर्ण अक्षरों में भी लिखा जाएगा। अयोध्या में उक्त श्री राम प्राण प्रतिष्ठा का उत्सव पूरे देश व विदेश में हुआ । साथ ही पूरा राम मय माहौल के साथ पूरे देश का हिंदुत्व भी एक होता दिखाई दिया है। जिसका असर आने वाले लोकसभा चुनाव में भी देखा जा सकता है। ग्राम खवासा में 22 जनवरी प्राण प्रतिष्ठा के एक माह पूर्व से अखंड रामायण पाठ किया गया। साथ ही सुबह शाम धार्मिक फेरी पूरे गांव में निकल जाती जो हर व्यक्ति के मन में राम के प्रति आस्था व उत्साह उत्पन्न करते और यहा खासकर मुस्लिम समाज में भी इस राम मय माहौल को चार गुना करने हेतु अपना तन, मन ,धन से योगदान दिया गया। जो सामाजिक सोहंद का एक आईना दिखाई दिया। सोमवार को सुबह तेजाजी मंदिर से विशाल कलश यात्रा निकली ,जिसमें ग्राम की प्रत्येक महिला व कुंवारी कन्या अपने-अपने घर से कलश लेकर आई और तेजाजी मंदिर पर पहुंच कर कलश यात्रा में शामिल हुई। तेजाजी मंदिर से कलश यात्रा शुरू होकर ग्राम के मुख्य मार्ग से होकर पुनः कलश यात्रा का समापन तेजाजी मंदिर पर हुआ । ग्राम के लोगों की कलश यात्रा में सौ प्रतिशत हुई उपस्थिति भी एक अमिट छाप छोड़कर गई । जगह-जगह फूलों से कलश यात्रा का स्वागत किया गया। आतिशबाजी भी कलश यात्रा का आकर्षण का केंद्र रही । वही मुस्लिम समाज के भाई बंधुओ ने भी अपने बैनर के साथ सभी राम भक्तों का स्वागत फूलों से किया । साथ ही रात्रि में समापन जुलूस में भी विशेष रूप से मुस्लिम समाज ने राम भक्तों का आइसक्रीम व कॉडिंग्स के साथ स्वागत किया। जातिवाद से ऊपर उठकर उक्त भाई चारे का संदेश उन राजनीतिक लोगों के लिए भी तमाचा है, जो सदैव अपने राजनीतिक लाभ के लिए हिंदू-मुस्लिम भाईचारे में सेंध लगाने का प्रयास करते रहे हैं। वहीं दूसरी और श्री राम प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव में हर जाति वर्ग के लोगों ने उत्साह के साथ शामिल होकर इस महोत्सव को ऐतिहासिक बनाया है। जो इतिहास के पन्नों में लिखा जा सकता है।

कार सेवकों का 32 वर्ष बाद किया सम्मान

माही की गूंज, थांदला। अयोध्या आंदोलन में 1992 में अयोध्या गए कार सेवकों का मंदिर निर्माण के पूर्व नगर परिषद अध्यक्ष द्वारा पार्षदों की उपस्थिति में शाल श्रीफल भेंट कर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर नगर परिषद अध्यक्ष लक्ष्मी सुनील पणदा, पार्षद धापूबाई वसुनिया, गोलू उपाध्याय, माया सोलंकी, श्रीमती भूमिका आशीष सोनी, व महिला मोर्चा की सुनीता भूरिया ने दिवंगत कार सेवक वरिष्ठ भाजपा नेता लक्ष्मी नारायण पाठक के आवास पर उनके चित्र पर माल्यार्पण कर लक्ष्मी नारायण पाठक के पुत्र व पुत्री कपिल पाठक पिंकी पाठक के अलावा, राजेश वैद्य, हेमला भाई राठौड़, मुकेश भट्ट, रमेश उपाध्याय व रमेश आचार्य का नगर परिषद अध्यक्ष ने शाल श्रीफल भेटकर स्वागत व सम्मान किया। दिवंगत भाजपा नेता श्री पाठक के आवास पर कार सेवकों का शाल श्रीफल से सम्मान भी किया गया। अयोध्या पहुंचे राजेश वैद्य व हेमला राठौर मुकेश भट्ट ने अयोध्या में संघर्षों की कहानी उन्हीं की जुबानी कही।

ग्राम पंचायत में हुआ ग्राम सभा का आयोजन , विभिन्न मुद्दों पर हुई चर्चा

माही की गूंज ,सारंगी। संजय उपाध्याय

मध्य प्रदेश शासन पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग के निर्देश अनुसार गणतंत्र दिवस के अवसर पर ग्राम पंचायत सारंगी भवन पर विशेष ग्राम सभा का आयोजन किया गया। इस ग्राम सभा में ग्राम विकास सहित ने कई मुद्दों पर ग्राम सभा नोडल अधिकारी आरसी वसुनिया ,सरपंच ,उप सरपंच ,पंच,एवं गांव के नागरिकों की उपस्थिति में ग्राम सभा का आयोजन किया गया। मध्य प्रदेश पंचायत राज्य ग्राम स्वराज अधिनियम 1993 की धारा 6 मध्य प्रदेश ग्राम सभा नियम 2001 से मध्य प्रदेश पंचायत उपबंध नियम 2022 का अवलोकन करते हुए इन प्रावधानों के अनुसार आज 24 जनवरी को ग्राम सभा का आयोजन किया गया। हितग्राहियों की पेंशन सूची, लाभ प्राप्त शिल्पियों की सूची, गोरवदिवस , वाटरशेड विकास, महिला सशक्तिकरण, नशा मुक्ति अभियान, नरवाई जलाई के दुष्परिणाम, जन आयोग समिति की बैठक, 0 से 5 वर्ष के बच्चों के लिए सगन मिशन इंद्रधनुष 5.0 पर चर्चा डिजिटल इंडिया, विकसित भारत यात्रा मैं केंद्र एवं मध्य प्रदेश शासन की योजनाओं की जानकारी, शौचालय विभिन्न परिवारों की जानकारी, एजेंट का वाचन एवम समस्त जानकारियां उपस्थित जन समुदाय को नोडल अधिकारी द्वारा दी गई। आयोजित ग्रामसभा में नोडल अधिकारी आर सी वसुनिया, सरपंच फुंदी बाई मेडा, उप सरपंच रणजीत सिंह राठौर, पंच, सचिव हरिराम भूरिया गांव के वरिष्ठ नागरिक, सभी विभाग के कर्मचारी एवं पंचायत के समस्त कर्मचारी उपस्थित थे।

भारत-रत्न का कार्पूरी होना सुनियोजित

भाजपा सरकार के इस फैसले का मै खुले दिल से स्वागत करता हूँ कि, इस वर्ष बिहार के अद्वितीय समाजिक कार्यकर्ता और समाजवादी नेता स्वर्गीय कर्पूरी ठाकुर को मरणोपरांत देश के सर्वोच्च नागरिक सम्मान भारत-रत्न से नवाजा जाएगा। लेकिन अफ़सोस इस बात का है कि ये फैसला लेने में सरकार ने न सिर्फ दस वर्ष लगा दिए बल्कि इस पुरस्कार को भी राम मंदिर मुद्दे की तरह एक चुनावी तुरुप की तरह इस्तेमाल किया।

भारत-रत्न मिलता नहीं है, इसे जीता जाता है। बहुत कम लोग हैं जो इसे जीते-जी हासिल कर सके, बहुत से लोगों को ये मरणोपरांत दिया गया, इसमें पाने वालों का कोई दोष नहीं है, सारा दोष देने वालों का है। चूंकि भारत-रत्न के लिए चयन का कोई स्थापित मापदंड नहीं है इसलिए इसमें अक्सर देर हो जाती है। मौजूदा सरकार ने भी पिछले पांच साल में किसी को भारत-रत्न सम्मान नहीं दिया। अब दे रही है जब लोकसभा चुनाव सिर पर है और विपक्ष देश में जातीय जनगणना का मुद्दा लेकर आगे बढ़ा है। मजे की बात ये है कि, जातीय जनगणना का मुद्दा उठाने वाले बिहार के ही दलित नेता कर्पूरी ठाकुर का नाम इसके लिए चुना गया, क्योंकि 24 जनवरी को उनकी जन्म शताब्दी है। ये सम्मान अब स्वर्गीय कर्पूरी ठाकुर के तो किसी काम का नहीं है किन्तु भाजपा के लिए चुनाव में बहुत काम आएगा।

बिहार के दो बार मुख्यमंत्री रहे कर्पूरी ठाकुर सचमुच दलित और गरीब परिवार से थे। जात से नाई थे, उनके पिता गांव में हजामत बनाते थे और खुद पिता की आज्ञा पर मुख्यमंत्री पद पर रहते हुए एक बार कर्पूरी ठाकुर ने गांव में जनता को अपनी सेवाएं एक नाई के रूप में दी थीं। देश को हरिजन के स्थान पर दलित शब्द तो पहले मिल गया था लेकिन दलितों से भी ज्यादा पद-दलितों के लिए महादलित शब्द कर्पूरी ठाकुर ही लेकर आये थे। पिछली सदी के नौवें दशक में मुझे एक-दो मर्तबा कर्पूरी ठाकुर से मिलने का सौभाग्य मिला था। हमारे अंचल के समाजवादी नेता रमाशंकर सिंह के चुनाव प्रचार में वे आये थे। कर्पूरी ठाकुर एक खांटी समाजवादी, लोहियावादी नेता थे। उन्होंने सत्ता के शीर्ष पर आने के लिए अपने गरीब होने का रोना कभी नहीं रोया, किन्तु जेब में रूखी रोटी रखकर उसे खाकर दिन-रात दलितों और महादलितों के उत्थान के लिए काम किया और जब सत्ता में नहीं थे तब उनके लिए लड़ाइयां लड़ी।

कर्पूरी का हिंदी में अर्थ सुगंधित सफेद पदार्थ है यानि कपूर। कर्पूरी ठाकुर ठीक ऐसे ही नेता थे। वे बिहार के जन नायक थे और बिना किसी राजनितिक पृष्ठभूमि के, बिना किसी विरासत के वे जननायक बने। संयोग देखिये की भाजपा की सरकार ने उन्हें उनके देहावसान के 36 साल बाद भारत रत्न देने के लिए खोज निकाला। भाजपा इस मामले में हमेशा दूरष्टि से काम लेती है। भाजपा को पता था कि, कर्पूरी ठाकुर उनके काम कब आएंगे? खैर भाजपा भले ही लोकसभा चुनाव में बिहार जीतने के लिए इस्तेमाल करने की कोशिश करे, किन्तु न सिर्फ मै बल्कि देश के ज्यादातर लोग सरकार के इस फैसले से अभिभूत हैं और इसका खुले दिल से स्वागत करते हैं। देश को आज कर्पूरी ठोकर जैसे निर्दम्भ, निर्दोष और सरल हृदय नेतृत्व की जरूरत है।

भाजपा के राज में बल्कि कहिये कि मोदी राज में अब तक क्रिकेट के भगवान सचिन तेंदुलकर, स्वर्गीय मदन मोहन मालवीय, पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी बाजपेयी, पूर्व राष्ट्रपति प्रणब मुखर्जी, भूपेन हजारिका और नानाजी देशमुख को भारत रत्न से नवाजा गया। भारत-रत्न सम्मान पाने वाले अधिकांश इसके पात्र हैं, लेकिन कुछ को लेकर सवाल उठाये गए, उठाये जाते रहेंगे। कुछ को उनके समर्थकों के मांगने पर भी भारत रत्न नहीं मिला। कुछ को बिना मांगे मिल गया। कांग्रेस के तो लगभग हर प्रधानमंत्री को ये सम्मान मिला या उन्होंने खुद ले लिए भगवान जाने।

आजादी के बाद सबसे पहले 1954 में भारत रत्न सम्मान देने की व्यवस्था की गई। पहले भारत-रत्न बने देश के अंतिम गवर्नर जनरल सी राजगोपालाचारी, फिर राष्ट्रपति सर्वपल्ली डॉ. राधाकृष्णन, चंद्रशेखर वेंकटरमन, भगवानदास, एम् विश्वेसरैया, जवाहरलाल नेहरू, गोविंद बल्लभ पंत, धोडो केशव बर्वे, विधान चाँद रे, पुरषोत्तम टंडन, डॉ. राजेंद्र प्रसाद, जाकिर हुसैन, पांडुरंग वामन काणे और लाल बहादुर शास्त्री को ये सम्मान मला। शास्त्री के बाद श्रीमती इंदिरा गाँधी पहली महिला नेत्री थीं जिन्हें ये सम्मान मिल। श्रीमती गाँधी के बाद बीवी गिरी, के. कामराज, मदरटेरेसा, बिनोवा भावे, खान अब्दुल गफ्फार खान, एमजी रामचंद्रन, डॉ. भीमराव आंबेडकर, नेल्शन मंडेला, राजीव गाँधी, सरदार बल्लभ भाई पटेल, मरारजी देसाई, अबुल कलम आजाद, जेआरडी टाटा, सतयित रे, गुलजारी लाल नंदा को भारत रत्न सम्मान दिया गया।

राकेश अचल

स्वतंत्रता संग्राम सेनानी अरुणा आसिफ अली, एपीजे अब्दुल कलाम आजाद, एसबी सुबलक्ष्मी, चिदंबरम सुब्रमणियम, जय प्रकाश नारायण, अमृत्य सेन, गोपी नाथ बोरदोलोई, संगीतज्ञ पंडित रविशंकर, लता मंगेशकर, बिस्मिल्लाह खान, भीमसेन जोशी, सीएन आर राव को भारत रत्न सम्मान दिया गया। कोई आगे, कोई पीछे ये सब चलता रहा। आज भी चल रहा है। सरकार अपनी सुविधा और सूझबूझ से भारत-रत्न चुनती है। सरकार की भी विवशता है। भारत भूमि है ही रत्नगर्भा। यहां एक खोजिये दस रत्न मिल जायेंगे। बहरहाल ये सिलसिला जारी है और चलते हुए कर्पूरी ठाकुर तक आ गया है। जैसे हिन्दुओं को राम मंदिर देकर मुदित किया गया वैसे ही कर्पूरी ठाकुर को भारतरत्न देकर दलितों और महादलितों को खुश किया जाए रहा है। कर्पूरी ठाकुर की आत्मा को इससे कोई अंर्त पड़ने वाला नहीं है। वे जहाँ भी होंगे सरकार के फैसले पर मुस्करा रहे होंगे। उन्हें इस फैसले के पीछे का गणित भी समझ आ गया होगा। बहरहाल जो हुआ सो अच्छा हुआ। केंद्र सरकर के इस निर्णय का पूणः स्वागत और स्वर्गीय कर्पूरी ठेकुए के परिजनों तथा बिहार और देश के दलितों तथा महादलितों को भी बधाई।

पत्रकारिता के पुरोधा श्री घोड़ावत जी की 10 वीं पुण्यतिथि पर जिला पत्रकार संघ का हुआ सम्मेलन

मेघावी प्रतिभाओं और उत्कृष्ट कार्य करने वाले डॉक्टर का सम्मान एवं पत्रकारों को किया पुरस्कृत

माही की गूंज, थांदला।
मुकेश भट्ट

अविभाजित झाबुआ जिले की पत्रकारिता को प्रदेश एवं देश में पहचान बनाने वाले पत्रकारिता के पुरोधा स्वर्गीय श्री यशवंत जी घोड़ावत की दसवीं पुण्यतिथि पर थांदला के मेट्रो गार्डन में श्रद्धांजलि सभा एवं जिला पत्रकार संघ का महासम्मेलन 20 जनवरी सोमवार को आयोजित किया गया। आयोजन में अतिथि के रूप में ख्याति प्राप्त पत्रकार कीर्ति राणा, रजनी खेतान व पंकज क्षीरसागर उपस्थित थे।

स्व. श्री यशवंत जी घोड़ावत को अतिथि व जिले भर सें आए पत्रकारो ने दी भावपुर्ण श्रद्धांजलि।

मंचासिन अतिथि व समारोह में जिले से आए पत्रकारगण।

डॉ.कमलेश परस्ते व डॉ. मनिष दुबे को उत्कृष्ट सम्मान से किया सम्मानित।

आयोजन का शुभारंभ मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण व दीप प्रज्वलित कर किया। जिसके बाद मंचासीन अतिथि के साथ जिले भर से आए पत्रकारों ने श्री यशवंत जी घोडावत के चित्र पर पुष्पांजलि के साथ श्रद्धांजलि अर्पित की। तत्पश्चात स्वागत भाषण जिला पत्रकार संघ के अध्यक्ष राजेश सोनी ने दिया। जिला पत्रकार संघ के संरक्षक संजय भटेवरा ने कार्यक्रम की अवधारणा से अवगत करवाया।

जिसके पश्चात जिला पत्रकार संघ के मार्गदर्शन एवं वरिष्ठ पत्रकार हरिशंकर पवार ने वर्तमान में चल रही पत्रकारिता के परिदृश्य को बताया। कार्यक्रम में उपस्थित विशेष अतिथि स्वतंत्र पत्रकार रजनी खेतान ने पत्रकारिता में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस तकनीकी के कारण आने वाली परेशानियों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। खेतान ने पत्रकारिता के क्षेत्र में महिलाओं की कमी पर निराशा भी व्यक्ति की।

कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे पूर्व लोकसभा स्पीकर सुमित्रा महाजन के ओएसडी रहे पंकज क्षीरसागर ने राजनीतिक क्षेत्र में पत्रकारों की उपयोगिता विषय पर प्रकाश डाला। श्री क्षीरसागर ने एआई तकनीकी के खतरे के बारे में बताया कि, मोबाइल तकनीक के बाद एआई ने विश्व भर में हर क्षेत्र में अपनी मौजूदगी का एहसास करा दिया है। तथा एआई, पत्रकारिता को भी प्रभावित करेगी लिहाजा हर पत्रकार को अब रोज अपडेट रहना होगा।

आयोजन के मुख्य अतिथि कीर्ति राणा ने आंचलिक पत्रकारिता और महानगरों की पत्रकारिता के बीच संपर्क और खबरों की प्रमाणितों तथा खबर के सूत्र और घटना के बाद लिखी जाने वाली फालोअप स्टोरी की उपयोगिता बताई।

श्री राणा ने कहा कि, आज का दौर पत्रकारिता के लिए संकटों से भरा है बावजूद झाबुआ जिले में इस तरह के आयोजन होना वास्तव में बड़ी चुनौती वाला काम है जो जिला पत्रकार संघ के बेनर तले किया जा रहा है। यह झाबुआ में ही देखा है जहां पत्रकार बिरादरी ना सिर्फ प्रतिभाशाली वरन् समाज में सेवा देने वाले सेवाभावी लोगों को सम्मान तथा पत्रकारों को पुरस्कृत किया जाता है।

मेघावी प्रतिभाओं का किया सम्मान

श्री यशवंत जी घोडावत के पद चिन्हों पर चलते हुए जिला पत्रकार संघ की ओर से सौजन्य माही की गूंज परिवार द्वारा आयोजन की शोभा बड़ा रहे सम्मानीय अतिथियों के कर कमलो से खवासा व थांदला संकुल क्षेत्र में 2022-23 में प्रथम व द्वितीय आने वाले 9 मेघावी विद्यार्थियों को सम्मान पत्र के साथ 1555-1555 व 1111-1111 रुपए के चेक प्रोत्साहन राशि के रूप में दिए गए। जिसमें विद्यार्थी प्रतीक्षा शैलेष कोलन 10 वी में 93.4 प्रतिशत, धैर्य संदीप शाहजी 10वीं में 93.4 प्रतिशत, धुर्वे अशोक प्रजापति 12वीं में 93.2 प्रतिशत संस्कार पब्लिक स्कूल थांदला। विधि दीपेश जोशी 10वीं में 96.2 प्रतिशत व रितिका भरत गेहलोत 12वीं में 94.8 प्रतिशत अंक अर्जित कर अणु पब्लिक स्कूल थांदला ने सम्मान प्राप्त किया।

इसी प्रकार खवासा संकुल क्षेत्र में माही विजय पाटीदार 10वीं में 87.6 प्रतिशत, गौतम गौरीशंकर कटारा 12वीं 81.8 प्रतिशत, अदिति संजय पाटीदार 12वीं में 89.4 प्रतिशत सत्य साइन कान्वेंट स्कूल खवासा व अदिति मुकेश बैरागी 10वीं में 93 प्रतिशत अंक अर्जित कर न्यू हाइट्स पब्लिक स्कूल खवासा ने सम्मान प्राप्त किया।

उत्कृष्ट सम्मान

थांदला सिविल अस्पताल में पदस्थ शिशु रोग विशेषज्ञ डॉक्टर कमलेश परस्ते व डॉक्टर मनीष दुबे जिन्होंने कोरोना काल जैसी महामारी में सेवा भाव के साथ मरीजों को उपचार के दौरान उत्कृष्ट सेवाएं देने पर उन्हें सम्मान पत्र व शाल श्रीफल भेंट कर उत्कृष्ट सम्मान से सम्मानित किया।

पत्रकार पुरस्कार से ये नवाजे गए

यशवंत घोड़ावत की स्मृति में पत्रकारों को प्रतिवर्ष दिए जाने वाले पुरस्कार में उदयमान पत्रकारिता पुरस्कार सुनील सोलंकी भामल, आजीवन प्रखर पत्रकारिता पुरस्कार डॉ उमेश जी शर्मा थांदला तथा सर्वकालिक संघर्षशील पत्रकारिता पुरस्कार (मरणोपरांत) सुमनकांत जी शुक्ला पेटलावद को सम्मानित करते हुए उनके पुत्र लोकेश शुक्ला को पुरस्कार से नवाजा गया।

कार्यक्रम का संचालन राजेश वैद्य व अक्षय भट्ट ने किया। आभार तहसील पत्रकार संघ के अध्यक्ष मनीष अहिरवार ने माना।

उद्बोधन देते हुए अतिथि।

उदयमान पत्रकारिता पुरस्कार से सुनिल सोलंकी, आजीवन प्रखर पत्रकारिता पुरस्कार से डा. उमेश जी शर्मा, सर्वकालिक संघर्षशील पत्रकारिता पुरस्कार (मरणोपरान्त) से सुमनकांत जी शुक्ला को किया सम्मानित।

जिला पत्रकार संघ ने अतिथियो का किया सम्मान।

नौ मेघावी प्रतिभावान विद्यार्थियो व परिजनो को सम्मान-पत्र तथा प्रोत्साहन राशि के चेक देकर किया अतिथियो ने सम्मानित।

संपादकीय

गरीबों को बिजली के बिल में मिलेगी राहत...?

पर्यावरणीय संकट और महंगे होते ऊर्जा संसाधनों के विकल्प के रूप में स्वच्छ ऊर्जा, खासकर सौर ऊर्जा दुनिया में पहली पसंद बनी है। भारत ने भी तेजी से इस दिशा में कदम बढ़ाए हैं। इन्हीं रचनात्मक प्रयासों के चलते आज देश में सौर ऊर्जा की स्थापित क्षमता 73 गीगावॉट तक हो गई है। नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय के अनुसार दिसंबर 2023 तक भारत में रूफटॉप सोलर क्षमता लगभग 11.08 गीगावॉट है। विश्व ऊर्जा की जरूरतों की निगरानी करने वाली संस्थाएं बता रही हैं कि आने वाले तीन दशक में दुनिया के अन्य देशों के मुकाबले भारत में ऊर्जा की मांग में सबसे ज्यादा वृद्धि होने वाली है। ऐसे में जरूरी हो जाता है कि हम इस चुनौती के मुकाबले के लिए ऊर्जा के नए स्रोतों को तलाशें। नि:संदेह, नवीकरणीय ऊर्जा इसका बेहतर विकल्प हो सकता है। देश में थर्मल और जल विद्युत परियोजनाएं के नफे-नुकसान को देखते हुए स्वच्छ ऊर्जा ही कारगर विकल्प बचता है। यही वजह है कि, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अयोध्या में आयोजित प्राण प्रतिष्ठा समारोह से लौटने के तुरंत बाद 'प्रधानमंत्री सूर्योदय योजना' की शुरुआत करने की घोषणा की। जिसका मकसद समाज के कमजोर वर्गों को बिजली के बिल से राहत दिलाने के साथ ही स्वच्छ ऊर्जा के उपयोग को बढ़ावा देना भी है। इस योजना का उद्देश्य देश को ऊर्जा के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में कदम बढ़ाना है। इस योजना के तहत गरीबों व निम्न मध्यमवर्गीय परिवारों का बिजली का खर्च घटाने के मकसद से देश के एक करोड़ घरों पर रूफटॉप सोलर पैनल लगाने का फैसला किया है। कहा जा रहा है कि, सूर्य के ताप से ऊर्जा हासिल करने के लिये लगाए जाने वाले पैनल के उपयोग से बिजली के बिल में कमी आएगी, जिससे लोगों को आर्थिक राहत मिल सकेगी। यूं भी देश में मुफ्त बिजली देना बड़ा राजनीतिक मुद्दा रहा है, जिसका नकारात्मक प्रभाव बिजली विभाग की सेहत पर भी पड़ता है।

हालांकि, इस योजना के लाभार्थियों से जुड़ी विस्तृत जानकारी अभी उपलब्ध नहीं है, लेकिन इस बाबत जरूरी ब्योरा देने के लिए वेबसाइट शीघ्र जारी होगी। जिसके जरिए इच्छुक भारतीय नागरिक आवेदन कर सकेंगे। इस अभियान के तहत अधिकारियों से राष्ट्रीय स्तर पर मुहिम चलाने को कहा गया है। जिससे नागरिकों को रूफटॉप पैनल के उपयोग के लिए प्रेरित किया जा सके। दरअसल, रूफटॉप सोलर पैनल एक फोटोवोल्टिक पैनल होता है, जिसे किसी मकान की छत पर लगाया जाता है। कालांतर सूरज से ऊर्जा पाने वाले इस पैनल को मुख्य बिजली आपूर्ति करने वाली लाइन से जोड़ दिया जाता है। जिससे यह ग्रिड के माध्यम से आने वाली विद्युत के उपयोग को घटा देता है। फलस्वरूप उपयोगकर्ता का बिजली के बिल का खर्च घट जाता है। दरअसल, रूफटॉप सोलर पैनल खासा किफायती है। इसकी लागत केवल पैनल लगाने के वक्त एक बार ही आती है। बाद में इसके संचालन में बेहद कम ही खर्च आता है। दरअसल, इसका मकसद जहां लोगों को आर्थिक राहत देना है, वहीं देश में बिजली उत्पादन को बढ़ावा देना भी है। वहीं दूसरी ओर कार्बन उत्सर्जन को कम करने के लिये देश की जो अंतर्राष्ट्रीय प्रतिबद्धताएं हैं, उनमें भी यह पहल सहायक बनती है। कहीं न कहीं सरकार का मकसद इस योजना के जरिए राजनेताओं की मुफ्त की रेवड़िया बांटने की प्रवृत्ति पर लगाम लगाना भी है। पिछले दिनों विधानसभा चुनाव में तमाम राजनीतिक दलों ने अपनी गारंटियों में मुफ्त बिजली देने का वायदा भी शामिल किया। इस मुफ्त बिजली की कीमत कालांतर देश की अर्थव्यवस्था को भी चुकानी पड़ती है। सरकार जल्दी ही इस योजना का रोडमैप जारी करने वाली है। कहा जा रहा है कि वे लोग इस योजना के लिये आवेदन कर सकेंगे, जो भारत के स्थायी नागरिक हों, उनकी वार्षिक आय डेढ़ लाख से अधिक नहीं होनी चाहिए। आवेदक सरकारी कर्मचारी न हो। उसे अपना आधार कार्ड, अधिवास प्रमाणपत्र, बिजली का बिल और आय का प्रमाणपत्र आदि की जानकारियां वेबसाइट पर अपलोड करनी होंगी। उल्लेखनीय है कि, सरकार की ओर से ऐसी एक योजना 2014 में लॉन्च की जा चुकी है। विश्वास है, गरीब के घर को रोशन करने वाला यह प्रयास सार्थक साबित होगा।

संयम-करूणा से नया इतिहास रचने का समय

विश्वनाथ सचदेव

बाईस जनवरी दो हज़ार चौबीस। यह कैलेंडर की एक तारीख मात्र नहीं है। अयोध्या में भगवान राम के 'भव्य, दिव्य मंदिर' की प्राण-प्रतिष्ठा के साथ ही यह तारीख, जैसा कि प्रधानमंत्री ने कहा है, 'नये इतिहास-चक्र की भी शुरुआत' है। इस अवसर पर किये गये संबोधन में प्रधानमंत्री मोदी ने अपने संकल्प 'सबका साथ, सबका विकास और सबके विश्वास' को एक नया आयाम भी दिया है। यह सही है कि भारतीय जनता पार्टी के लिए अयोध्या में राम मंदिर का निर्माण एक चुनावी वादे का पूरा होना भी है। चुनावी घोषणापत्र में भाजपा लगातार इसकी बात भी करती रही है और यह भी सही है कि अटल बिहारी वाजपेयी के नेतृत्व वाली सरकार ने इस मुद्दे को स्थगित रखकर एक राजनीतिक परिपक्वता का उदाहरण ही प्रस्तुत किया था। लेकिन उच्चतम न्यायालय के निर्णय के बाद 'बालक राम' के मंदिर का निर्माण निर्बाध भी हो गया था और एक स्वाभाविक परिणति भी।

अयोध्या में मंदिर निर्माण को पूरे देश में जो प्रतिसाद मिला है, वह कल्पनातीत है। भाजपा को इसका राजनीतिक लाभ मिलेगा, इसमें कोई संशय नहीं, पर जैसा कि प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन में कहा है, 'राम विवाद नहीं, समाधान है'। उनके इस कथन को समझा और स्वीकारा जाना चाहिए। यह भी समझा जाना चाहिए कि प्रधानमंत्री का यह कथन देश में संभावनाओं के नये आयाम भी खोल रहा है। राम और राष्ट्र के बीच की दूरी को पाटने का एक स्पष्ट संकेत भी प्रधानमंत्री ने दिया है। इस बात को भी समझने की ईमानदार कोशिश होनी चाहिए। राम की महत्ता हिंदू समाज के आराध्य होने में ही नहीं है, राम प्रतीक हैं सुशासन के। सुशासन, जिसमें हर नागरिक को, चाहे वह किसी भी धर्म, जाति, वर्ण, वर्ग का हो, प्रगति करने का समान और पर्याप्त अवसर मिलना चाहिए। तुलसी ने कहा था 'दैहिक, दैविक, भौतिक तापा, राम राज नहिं कहुहि व्यापा' इस राज में, 'नहिं दरिद्र कोउ दुखी न दीना, नहीं कोउ अबुध न लच्छन हीना।' किसी भी अच्छे शासन में यह बुनियादी स्थिति होनी चाहिए। राम-राज्य की बात तो हम बहुत करते हैं पर यह भूल जाते हैं कि राम-राज्य की परिकल्पना में हर नागरिक को समान अधिकार प्राप्त थे। राम ने तो स्वयं यह बात स्पष्ट की थी कि यदि राज-काज में उनसे कोई ग़लती हो जाती है तो हर नागरिक को यह अधिकार है, और यह उसका दायित्व है कि वह राजा को ग़लती का अहसास कराये। आज जब देश अयोध्या में राम मंदिर का उत्सव मना रहा है, यह बात भी याद रखना ज़रूरी है कि वनवास भोगकर जब भगवान राम अयोध्या लौटे थे तो हर नागरिक को खुशी मनाने का अवसर और अधिकार मिला था। समान अधिकार। राम के समावेशी शासन में कोई पराया नहीं था। सब अपने थे।

आज जब देश 'राममय' हो रहा है, इस अपने-पराये का भेद मिटाने की आवश्यकता को भी समझना ज़रूरी है। धर्म के नाम पर, जाति के नाम पर, होने वाला कोई भी विभाजन 'राम-राज्य' में स्वीकार्य नहीं हो सकता। सांस्कृतिक अथवा धार्मिक राष्ट्रवाद के नाम पर किसी को कम या अधिक भारतीय आंकना भी राम-राज्य की भावना के प्रतिकूल है। इसमें कोई संदेह नहीं है कि अयोध्या में नया मंदिर बनने के बाद हिंदू समाज में एक नया उत्साह है। स्वाभाविक भी है यह। पर इस भाव की सीमाओं को भी समझना होगा हमें। नदी जब किनारा छोड़ती है तो बाढ़ आ जाती है। सरसंघ चालक मोहन भागवत ने प्राण-प्रतिष्ठा के अवसर पर कहा था 'जोश के माहौल में होश की बात' करनी ज़रूरी है। यह होश ही वह किनारे हैं जो नदी को संयमित रखते हैं। बाढ़ से बचाते हैं। बाढ़ का मतलब तबाही होता है, इस तबाही से बचाना है तो हमें 'संयम बरतना होगा,' सहमति के संवाद का मार्ग स्वीकारना होगा।

यह समझना ज़रूरी है कि 'सहमति के लिए' और 'सहमति का संवाद' बने कैसे? इसके लिए विजय के साथ-साथ विनय की भी आवश्यकता है। प्रधानमंत्री ने आने वाले हज़ार वर्षों के भारत की नींव रखने की बात कही है। इस नींव को आपसी भाई-चारे और मनुष्य की एकता-समानता के सीमेंट से ही मज़बूत बनाया जा सकता है। यहीं इस बात को भी रेखांकित किया जाना ज़रूरी है कि हमारी कथनी और करनी में अंतर नहीं होना चाहिए। जब हम एक भारत श्रेष्ठ भारत की बात करते हैं तो यह भी समझना होगा कि आसेतु-हिमालय एक भारत जिस समाज से बनेगा वह किसी धर्म-विशेष का नहीं होगा। भारत के नागरिक का धर्म चाहे कोई भी हो, वह पहले भारतीय है। हर धर्म हमें मनुष्य बनने की प्रेरणा देता है। हर धर्म हमें एक-दूसरे की भावनाओं का आदर करने का संदेश देता है। हर धर्म हमें सिखाता है कि लक्ष्य एक है सिर्फ वहां तक पहुंचने के रास्ते अलग-अलग हैं। फिर, आदमी और आदमी में भेद किस बात का? मंदिर, मस्जिद, गिरजाघर या गुरुद्वारे में धर्म को बांट कर वस्तुतः हम धर्म को न समझने का उदाहरण ही प्रस्तुत करते हैं।

बहरहाल, अब जबकि अयोध्या में रामलला के भव्य-मंदिर का निर्माण हो चुका है, और हम मंदिर की प्राण-प्रतिष्ठा का उत्सव भी मना चुके हैं तो हमें आगे क्या करना है? यह सवाल अपने संबोधन में भागवत ने भी उठाया था। उन्होंने कहा था, अब हमें अहंकार को छोड़कर करुणा और संयम से काम लेना होगा। समय आ गया है जब हमें सदियों के इतिहास को पीछे छोड़कर आने वाली सदियों के इतिहास की शुरुआत करनी है। एक नया इतिहास रचने का समय है यह। संयम और करुणा के भाव से ही मनुष्यता का भावी इतिहास रचा जा सकता हैदृ इस आने वाले कल के इतिहास में घृणा नहीं होगी, अहंकार नहीं होगा, एक-दूसरे के प्रति वैर-भाव नहीं होगा। किसी काम में देरी होने के लिए किसी से क्षमा मांगने की ज़रूरत भी नहीं है। सिर्फ अपना काम ईमानदारी से करने की ज़रूरत है। और क्या है यह अपना काम?

अपना काम अर्थात स्वयं को मनुष्यता के अनुकूल ढालने की ईमानदार कोशिश। जब हम राम को आग नहीं, ऊर्जा के रूप में समझें- स्वीकारेंगे तो यह भी समझ आ जायेगी कि जब हम राम को सबका कहते हैं तो इसका अर्थ सबको अपना समझना होता है, परायेपन के बोझ से मुक्त होना होता है। जब हम भारतीय सबको अपना समझ लेंगे तो यह भी समझ आ जायेगा कि जिस धर्म की स्थापना के लिए राम का जन्म हुआ था, वह मानव धर्म था। मानव धर्म अर्थात? मनुष्य की एकता और समानता में विश्वास। जब हमारा आचरण इस धर्म के अनुकूल होगा तभी राम का काम पूरा होगा। तभी हम कह पायेंगे, राम हमारा आदर्श हैं, हमारी आस्था हैं, हमारी पहचान हैं। विजय तब नहीं होती जब हम अपने शत्रु को परास्त करते हैं, विजय तब होती है जब हम शत्रु को यह अहसास दिला पाते हैं कि एक-दूसरे से नफरत करके हम अपने भीतर के मनुष्य को हराने की ही कोशिश करते हैं। भीतर के उस मनुष्य को जगाना, जगाये रखना ज़रूरी है। अयोध्या में रामलला की मूर्ति की प्राण- प्रतिष्ठा तो हो गयी, अपने भीतर की मनुष्यता की प्राण-प्रतिष्ठा भी ज़रूरी है। यह काम शब्दों से नहीं, कर्म से होगा।

...न ईवीएम, न बैलेट पेपर, तब हाथ उठाकर देते थे वोट...!

अपने देश मे वोटर ही असली राजा है, अगर वह वोट देते समय जागरूक रहे तो जिसे चाहे राजा बना सकता है।भारतीय संविधान के तहत गठित गणतन्त्र में गण में से तन्त्र का संवाहक चुनने के लिए आजादी के बाद से अभी तक विभिन्न तरीके अपनाये गए। गांव स्तर से लेकर राज्य और केन्द्र स्तर तक अपना जनप्रतिनिधी चुनने के लिए जो तरीके अपनाये गए उनमें हाथ उठाकर अपना जनप्रतितिधी चुनने से लेकर ईवीएम वोटिंग मशीन तक का उपयोग मतदाताओं के लिए वरदान बना। बात ज्यादा पुरानी नही है जब गांव में लोग अपना प्रधान व ग्राम सदस्यों का चुनाव हाथ उठाकर करते थे। यानि तब न बैलट पेपर का झंझट था, न वोटिंग मशीन की जरूरत थी, बस हाथ उठाओं और हो गया वोट। हरिद्वार जिले के गांव खुब्बनपुर निवासी मास्टर सुमन्त सिंह आर्य ने अपनी सरकारी नोकरी के दौरान चार बार ऐसे चुनाव कराये जब वोट बैलट के बजाए हाथ उठाकर दिया गया था। ग्राम सभाओं के ग्राम प्रधान व ग्राम सभा सदस्यो के चुनाव सन 1962 तक हाथ उठाकर ही कराये जाते थे। लेकिन जब हाथ उठाकर वोट देने के कारण लोगो के बीच आपसी रंजिश बढने लगी तो हाथ उठाकर वोट देने की सरल व सुगम परम्परा को बन्द करना पडा। हालांकि आजादी के पहले तक तो हाथ उठाकर वोट डालने की परम्परा सामान्य थी। लेकिन तब भी कभी बडे सदनो के लिए हाथ उठाकर वोट डालने की प्रक्रिया को नही अपनाया गया। अपने जीवनकाल में स्वाधीनता सेनानी सत्यवती सिन्हा अपने जीवनकाल में अपने अनुभव सुनाते हुए बताया था कि पहले लोग वोट का मतलब तक नही समझते थे। एक बार जब वे लोगो को कांग्रेस के पक्ष में वोट डालने के लिए कहने गई और उन्हे उस समय के चुनाव चिन्ह बैलो की जोडी के बारे में बताया तो गांव की महिलाओं ने वोट डालने के लिए मतदान केन्द्र पर जाने के बजाए खेतो में जाकर बैलो की जोडी के सामने पांच पांच पैसे चढा दिये और समझ लिया कि उन्होने मतदान कर दिया है। ग्राम प्रधान रह चुकी कमला बमोला का कहना है कि मतदान के लिए आज भी कई स्थानों पर लोगो को कई कई किमी तक पैदल जाना पडता है जो कि एक गलत व्यवस्था है। उन्होने माना कि चुनाव में काफी सुधार हुए है लेकिन अभी भी चुनाव धन बल की विकृति से मुक्त नही हो पाया है। गरीब व आम आदमी आज भी चुनाव लडने का साहस नही जुटा पाता। ऐसे में कैसे माना जाए कि लोग उस आम जनता में से चुन कर जा रहे है जिनकी संख्या कम से कम नब्ब फिसदी है।इसी कारण 90 प्रतिशत लोग आज भी चुनाव न लड पाने की हैसियत न होने के कारण चुनाव से दूर है और जनप्रतिनिधी बनने से वंचित है। इसी तरह अन्तर्राष्ट्रीय खिलाड़ी डॉ. आदेश कुमार शर्मा इस बात से दुखी है कि चुनाव मैदान में उतरे प्रत्याशी आज भी वोटरो को प्रलोभित कर वोट पाना चाहते है और जब ऐसे लोग चुनाव जीत जाते है तो चुनाव बाद 5 साल तक फिर वे नजर नही आते ऐसे प्रत्याशियो को नकारने पर वे जोर देते है। लेकिन उन्होने चुनाव आयोग द्वारा चुनाव सुधार की दिशा में टी एन शेषन के समय की गई सख्ती का स्वागत किया था। उनकी सोच है कि चुनाव आयोग टीएन शेषन के समय से ही अच्छे रास्ते पर चलने लगा था परन्तु अब फिर उसकी विश्वनीयता ईवीएम पर सवाल उठने के कारण घटने लगी है लेकिन एक बार विधायक या सांसद बनने पर उनकी आय मे कई सौ गुना वृद्धि कैसे हो जाती है इस पर भी ध्यान देने की आवश्यकता है। चुनाव आयोग द्वारा दिल्ली में पिछले चुनाव में मतदान के दिन कोई भी प्रत्याशी मतदान स्थल से 100 मीटर दूरी तक मतदाताओं को हाथ जोडकर नमस्ते तक नही कर पाएगा,का प्रावधान लोगो को पसंद आया। ऐसे में भले ही एक दिन यानि मदतान के दिन नही सही परन्तु मतदाता है वास्तव में लोकतन्त्र का राजा।जो अपनी वोट के माध्यम से देश का भविष्य निर्धारित करता है।

डॉ. गोपाल नारसन

चुनावी साल मे अंतरिम बजट से उम्मीदे

जयंतीलाल भंडारी

इन दिनों पूरे देश की निगाहें वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा एक फरवरी को पेश किए जाने वाले वर्ष 2024 के अंतरिम बजट की ओर लगी हुई है। वस्तुतः देश में जिस साल लोकसभा चुनाव होते हैं, उस वर्ष दो बजट आते हैं। एक अंतरिम बजट और दूसरा पूर्ण बजट होता है। सामान्यतः अंतरिम बजट में नई सरकार बनने तक की व्यय जरूरतों को पूरा करने का उद्देश्य होता है। लेकिन अधिकांश अंतरिम बजटों में लोकलुभावन योजनाओं और बड़ी-बड़ी राहतों का ढेर लगाया जाता रहा है। इस बार वित्तमंत्री सीतारमण वित्तीय अनुशासन के साथ आगामी लोकसभा चुनाव के मद्देनजर जरूरी राहतों और आर्थिक कल्याण की योजनाओं से संतुलित अंतरिम बजट पेश करते हुए दिखाई दे सकती हैं।

निःसंदेह इस समय वर्ष 2024-25 के अंतरिम बजट को अंतिम रूप देते समय दो अहम मसले वित्तमंत्री के समक्ष हैं। एक का संबंध उस राजकोषीय गुंजाइश और आकार से है जो फिलहाल केंद्र सरकार के पास अनुकूल स्थिति में है और दूसरा मुद्दा आगामी आम चुनावों में आवश्यक चुनावी लाभ हासिल करने के लिए कुछ नई व्यय योजना की घोषणा का है। साथ ही आर्थिक कल्याण को लेकर सरकार की राजनीतिक अनिवार्यता से संबंधित है। वित्तमंत्री ने सीतारमण ने कहा है कि अंतरिम बजट लेखानुदान होगा। पूर्ण बजट लोकसभा चुनावों के परिणामों के कोई एक माह बाद आने की संभावना रहेगी। कहा है कि वर्ष 2000 के बाद प्रस्तुत हुए तीन अंतरिम बजटों में जिस तरह लोकलुभावन बड़ी घोषणाएं की गई थीं और कर उपायों की अनदेखी की गई, वह वैसा नहीं करने जा रही हैं।

यह बात भी महत्वपूर्ण है कि नए अंतरिम बजट के समय वित्तमंत्री सीतारमण के पास आयकर परिदृश्य पर सकारात्मक बदलाव होने का अनुकूल परिदृश्य मौजूद है। हाल ही में एसबीआई की रिसर्च विंग द्वारा प्रकाशित रिपोर्ट में कहा गया है कि वर्ष 2014 से 2022 के पिछले आठ वर्षों में आयकर रिटर्न भरने वाले आयकरदाताओं की संख्या और आयकर की प्राप्ति में छलांगे लगाकर वृद्धि हुई है। 2023-24 के 31 दिसंबर तक आयकर रिटर्न रिकॉर्ड 8.18 करोड़ के स्तर को पार कर चुका हैं। वित्त वर्ष 2014-22 के दौरान व्यक्तिगत आय असमानता 0.472 प्रतिशत से घटकर 0.402 प्रतिशत हो गई है। इस दौरान 3.5 लाख रुपये के कम आय वाले समूह से 36.3 फीसदी लोग उच्च आय वाले समूह में शामिल हो गए हैं। देश में कर सुधारों से आयकरदाताओं और आयकर संग्रहण के साथ-साथ जीएसटी में लक्ष्य से भी अधिक वृद्धि की बड़ी अनुकूलताएं हैं।

पिछले लोकसभा चुनाव के पहले 2019 के अंतरिम बजट में किसान सम्मान निधि व आयकर राहत देने के लिए जरूरी प्रावधान किए गए थे। चूंकि पिछले माह दिसंबर में राज्यों के उत्साहजनक चुनावी नतीजों में कल्याणकारी योजनाओं की भूमिका अहम मानी गई हैं, इसे ध्यान में रखते हुए वित्तमंत्री आमजन के हितार्थ कुछ महत्वपूर्ण सामाजिक और आर्थिक कल्याण की योजनाओं के साथ-साथ छोटे आयकरदाताओं और मध्यम वर्ग को राहत देने के लिए कुछ जरूरी प्रावधान कर सकती हैं।

नए अंतरिम बजट में छोटे आयकरदाताओं व मध्यम वर्ग को कुछ राहत दी जा सकती है। बजट में किफायती आवासों के लोन पर ब्याज पर सब्सिडी बढ़ सकती है। नई मैन्युफैक्चरिंग यूनिट के लिए आयकर छूट की सीमा बढ़ सकती है। किसानों और महिलाओं के लिए अंतरिम बजट में बड़े ऐलान हो सकते हैं। किसान सम्मान निधि बढ़ाई जा सकती है। नए बजट में राजकोषीय घाटा और विनिवेश लक्ष्य कम हो सकता है। विनिवेश लक्ष्य 50 हजार करोड़ रुपये से नीचे रखा जा सकता है। सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्योगों (एमएसएमई) को प्रोत्साहनमूलक राहत दी जा सकती है। जहाँ विनिर्माण क्षेत्र को बढ़ावा देने और रोजगार के अवसरों में बढ़ोतरी करने के लिए सरकार नए अंतरिम बजट से पीएलआई योजना का दायरा बढ़ाते हुए इसे कपड़ा और हस्तशिल्प जैसे क्षेत्रों तक विस्तृत कर सकती है, वहीं रियल एस्टेट सेक्टर को भी प्रोत्साहनमूलक राहत दे सकती है। नए अंतरिम बजट में देश में डिजिटल क्रांति को बढ़ाने से संबंधित मोबाइल सेवा प्रदाताओं सहित विभिन्न उत्पादों, बुनियादी ढांचा क्षेत्र के लिए अधिक पूंजीगत व्यय के प्रावधान भी दिखाई दे सकते हैं। नए बजट में वित्तमंत्री जनकल्याण की ऐसी घोषणाएं भी कर सकती है, जो अंतरिम बजट का हिस्सा नहीं होते हुए आगामी पूर्ण बजट की घोषणाओं की संभावनाओं को रेखांकित करते हुए दिखाई दें।

इन दिनों वेतनभोगी (सैलरीड) वर्ग के लाखों छोटे आयकरदाता और मध्यम वर्ग के लोग यह कहते हुए दिखाई दे रहे हैं कि चालू वित्त वर्ष 2023-24 के बजट में उन्हें टैक्स संबंधी कोई उपयुक्त राहत नहीं मिली है। साथ ही अब महंगाई वृद्धि और उनके बढ़ते जरूरी खर्चों के कारण उन्हें कुछ आयकर राहत की अपेक्षा है। ऐसे में नए अंतरिम बजट में छोटे आयकरदाताओं को नई कर व्यवस्था के तहत नई कर राहत मिल सकती है।

निःसंदेह वेतनभोगी वर्ग द्वारा नए अंतरिम बजट में राहत की अपेक्षा इसलिए भी न्यायसंगत है, क्योंकि वेतनभोगी वर्ग के द्वारा दिया गया कुल आयकर पेशेवरों और कारोबारी करदाताओं के वर्ग द्वारा चुकाए गए कुल आयकर से काफी अधिक होता है। वेतनभोगी वर्ग के करदाताओं के कर की कटौती आमदनी अर्जित करने के स्रोत पर अर्जित आय पर की जाती है। इसे टीडीएस के रूप में जाना जाता है। टीडीएस के कारण वेतनभोगी नियमानुसार अपने वेतन पर ईमानदारीपूर्वक आयकर चुकाते हैं और आमदनी को कम बताने की गुंजाइश नगण्य होती है। इस परिप्रेक्ष्य में एक महत्वपूर्ण तथ्य यह है कि वर्ष 2022-23 में देश के 140 करोड़ से अधिक लोगों में से सिर्फ 2.24 करोड़ लोगों ने ही आयकर दिया है। यानी देश की कुल आबादी का 1.60 फीसदी लोग ही आयकरदाता हैं। साथ ही देश में शून्य आयकर देयता वाले आईटी रिटर्न की संख्या भी लगातार बढ़ते हुए वर्ष 2022-23 में 5.16 करोड़ हो गई। करीब 70 फीसदी आयकर रिटर्न शून्य आयकर देयता बता रहे हैं। इनमें अधिकांश रिटर्न वे हैं जो उद्योग-कारोबार और पेशेवर आयकरदाताओं से संबंधित हैं।

चूंकि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी लगातार वित्तीय अनुशासन की दृढ़ता दिखा रहे है। ऐसे में यदि केंद्र को अपने घाटे को चालू वर्ष में जीडीपी के 5.9 फीसदी और 2025-26 में 4.5 फीसदी तक लाना है तो ढेर सारी लोकलुभावन योजनाओं के लिए राजकोषीय गुंजाइश सीमित है। वस्तुतः अगले दो वर्षों में 1.4 फीसदी की कमी चुनौतीपूर्ण होगी। ऐसे में वित्तमंत्री 2024-25 के लिए सीमित राजकोषीय घाटे वाला अंतरिम बजट पेश करते हुए दिखाई देंगी। इससे सत्ताधारी दल की बढ़ती राजनीतिक पूंजी आने वाले महीनों में मजबूत आर्थिक सुधार और तेज विकास का आधार बन सकती है। निःसंदेह इस अंतरिम बजट में विभिन्न रियायतों तथा लोकलुभावन योजनाओं का कम बोझ होने से वर्ष 2024 के आम बजट चुनाव के बाद पेश किया जाने वाला वर्ष 2024-25 का पूर्ण बजट बेहतर होगा। साथ ही इससे देश को दुनिया की तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था की डगर पर आगे बढ़ाने में प्रभावी मदद भी मिलेगी।

रामलला प्राण प्रतिष्ठा के अवसर पर पशुपतिनाथ मंदिर में जलाए 61 हजार दीपक

माही की गूंज, मंदसौर। साहिल अगवान

अयोध्या में भगवान श्रीराम मंदिर में हुए 'प्राण प्रतिष्ठा' महोत्सव ने राम भक्तों को मानो नए प्राण दिए हैं। देश-प्रदेश के साथ पूरी तरह भगवा रंग में रंगे मंदसौर जिले का नाम सोमवार को स्वर्णिम अक्षरों में दर्ज हो गया।अयोध्या में श्रीराम मंदिर प्राण-प्रतिष्ठा महोत्सव का जश्न जिलेवासियों ने यादगार बना दिया। साल 2024 के इस ऐतिहासिक पल का हर आम और खास ने साक्षी बनकर उल्लास प्रकट किया। प्राण प्रतिष्ठा के अवसर पर पशुपतिनाथ मंदिर में 61 हजार दीये जलाए गए।

अलसुबह से रात तक प्रभु श्रीराम की भक्ति से ओत-प्रोत गीत-भजनों की मधुर स्वरलहरियों ने हर जन के तन-मन को झंकृत कर दिया। असंख्य दीयों की रोशनी के साथ रात में देवालयों के साथ घर-घर पर की गई रंगबिरंगी रोशनी से हर जन को प्रभु श्रीराम की भक्ति से सराबोर कर दिया। रंगीन आतिशबाजी के अद्भुत दृश्य को युवा मोबाइल में कैद करते नजर आए। जगह-जगह ढोल-नगाड़ों, डीजे साउंड के साथ महाआरती कर तरह-तरह का प्रसाद बांटा गया। कई स्थानों पर भंडारे के आयोजन भी हुए। इनमें भक्तों ने भरपेट प्रसादी ग्रहण धर्म लाभ लिया।

22 जनवरी की सुबह होते ही भक्तों में भगवान श्रीराम के आगमन का ऐसा उत्साह छाया की देर रात तक यह उत्साह फिर थमा ही नहीं। घर, मंदिर, चौराहा और मार्गों पर हर तरफ राम के आगनम की खुशियां ही खुशियां बरस रही थी। मंदिरों में आयोजनों की श्रृंखला सुबह ब्रह्म मुहुर्त से ही शुरू हो गई, दिनभर महाआरती और 'जय श्री राम' के जयकारों से मंदिर गूंजते रहे।

जिलेभर में इसी तरह का उत्साह रहा। सोमवार को शीतलहर के बावजूद भक्ति का तापमान इतना अधिक रहा की भक्ति के आगे ठिठुरन भी फुर्र हो गई। सोमवार को भगवान पशुपतिनाथ मंदिर हुए दिनभर धार्मिक आयोजन हुए। इसके साथ ही शहर में तलाई वाले बालाजी, विश्वपति शिवालय, बस स्टैंड बड़े बालाजी मंदिर, जगदीश मंदिर, गोवर्धननाथ मंदिर, नीलकंठ महादेव मंदिर, खाटू श्याम मंदिर सहित सभी मंदिरो में धार्मिक कार्यक्रम सुबह से रात तक हुए। शाम को घर घर दीपक की रोशनी से रोशन हुए।

61 हजार दीपक से जगमग हुआ शिवना तट, लेजर शो और आतिशबाजी भी हुई

अयोध्या में भव्य मंदिर में श्रीराम की प्राण प्रतिष्ठा के अवसर पर मंदसौर शहर सहित पूरा जिला राममय हो गया। भगवान श्री पशुपतिनाथ महादेव मंदिर पर दिनभर धार्मिक आयोजन हुए। मंदिर सभागार में एलइडी पर रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के आयोजन को लाइव देखा गया। कार्यक्रम में सांसद सुधीर गुप्ता, संतजन शामिल हुए। शाम को हुए आयोजन ने उत्साह को दोगुना कर दिया। गनेड़ीवाल चेरिटेबल ट्रस्ट के माध्यम से शिवना नदी घाट 61 हजार दीयों से जगमग हुआ। इस अवसर पर शिवना तट पर लेजर शो हुआ। डिजिटल आतिशबाजी की गई।

शिवना तट पर वसीठा धोबी समाज द्वारा श्रीराम मंदिर में गनेड़ीवाल चेरिटेबल ट्रस्ट तथा श्रीराम दीपोत्सव समिति के माध्यम से उत्सव मनाया गया। गनेड़ीवाल चेरिटेबल ट्रस्ट अध्यक्ष प्रदीप गनेड़ीवाल ने बताया कि श्रीराम मंदिर में प्रभु श्रीराम की महाआरती की गई। पश्चात शिवना घाट पर 61 हजार दीप प्रज्वलित किये गए। इसके बाद भगवान श्रीराम के जीवन पर आधारित 12 मिनट का लेजर शो हुआ। लेजर शो में किस सत्र में किस तरह में राम मंदिर को तोड़ा गया, मंदिर बनाने में क्या-क्या प्रयास हुए तब से लेकर अब तक की संपूर्ण कथा का चित्रण लेजर शो के माध्यम से दिखाया गया। इसके बाद आतिशबाजी की गई।

निर्दयी पिता ने चार वर्ष की बेटी को चंबल नदी में फेंका

चरित्र शंका के चलते पत्नी से हुई लड़ाई तो मासूम को नदी में फेंक उतारा घुस्सा

माही की गूंज, मंदसौर।

भानपुरा तहसील के गांधी सागर से एक बहुत ही हैरान करने वाला मामला सामने आया है। जहा एक निर्देह पिता ने पति-पत्नी के आपसी झगड़े के चलते अपनी चार वर्ष की मासूम बेटी को चंबल नदी में फेंक दिया। सोमवार को पत्नी से विवाद के बाद वह अपनी छोटी बेटी को साथ लेकर गया था। मंगलवार सुबह जब वह घर लौटा तो पत्नी को बेटी नहीं दिखाई दी। पूछने पर बताया कि, उसे चंबल में फेंक दिया है, जिसके बाद पत्नी ने पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने आरोपी को हिरासत में ले लिया है। उसके बाद पुलिस और प्रशासन की टीम मौके पर पहुंची और रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया। बुधवार को समाचार लिखे जाने तक भी गोताखोरों की टीम बच्ची की तलाश में जुटी हुई थी। पुलिस ने आरोपी को हिरासत में ले लिया है।

यह पूरा ही मामला भानपुरा थाना क्षेत्र का है। कोटड़ी टैंक के रहने वाले रघुनंदन मीणा का चरित्र शंका के चलते अक्सर पत्नी से विवाद होता रहता था। पत्नी उसे छोड़कर जाने की धमकी देती थी। सोमवार को भी दोनों के बीच विवाद हुआ था। इसे बाद आरोपी रघुनंदन सबसे छोटी बेटी चेतना उम्र 4 वर्ष को अपने साथ लेकर गया और गांधीसागर डेम के समीप चंबल नदी में फेंक आया।

पुलिस पुछताछ में आरोपी रघुनंदन मीणा ने अपनी चार साल की बेटी को चंबल नदी में फेंकने की बात कबूल की है। पुलिस और प्रशासन की टीम मौके पहुंचे है, एसडीआरएफ की टीम द्वारा गोताखोरों की मदद से बच्ची को ढूंढने का प्रयास किया जा रहा है फिल्हाल खबर लिखे जाने तक बच्ची की बरामदगी नही हो पाई सचिंग अभियान जारी है।

हिंदू धर्म को लेकर युवक ने किया विवादित पोस्ट, मामला दर्ज

माही की गूंज, शाजापुर।

मध्य प्रदेश के शाजापुर जिले के ग्राम चौमा में वर्ग विशेष के एक युवक पर सोशल मीडिया पर हिंदू धर्म की भावनाओं को ठेस पहुंचाने से संबंधित पोस्ट करने का आरोप लगा है। सर्व हिंदू समाज के लोगों ने सांप्रदायिक उन्माद फैलाने को लेकर युवक के खिलाफ थाने में शिकायत कर कार्रवाई की मांग की है।

बता दें कि, जिस युवक पर यह आरोप लगा है, उसका नाम शाकिर खान निवासी चौमा बताया जा रहा है। हिंदू संगठन के लोगों ने मोहन बड़ोदिया थाने पहुंचकर युवक पर प्रकरण दर्ज करने का आवेदन दिया है। जिस पर पुलिस ने शाकिर खान पिता रहमान खान के विरुद्ध धारा 153-ए, 295-ए, 188 भादवि के तहत प्रकरण दर्ज कर जांच में लिया है।

हालांकि इस तरह का यह कोई पहला मामला नहीं है, इससे पहले भी सोशल मीडिया पर ऐसे कई कई पोस्ट वायरल हुए है। पुलिस भी इसे लेकर लोगों को समय समय पर जागरूक करती रहती है, बावजूद कुछ लोग अपनी हरकतों से बाज नहीं आते है। बता दें कि, सोशल मीडिया में धर्म विशेष पर टिप्पणी करने पर सजा का प्रावधान है। इसलिए ऐसे किसी भी पोस्ट को करने से बचे, जिससे किसी की धार्मिक भावनाएं आहत होती है।

टोल फ्री में कॉल कर बुलाई एम्बुलेंस फिर सिरफिरे ने पत्थर बाजी कर लगा दी आग

माही की गूंज, मंदसौर।

मध्य प्रदेश के मंदसौर जिले के एक सिरफिरे का वीडियो वायरल हो रहा हैं। सुवासरा विधानसभा के कोटड़ा गांव का युवक ग्रामीण पशु एम्बुलेंस पर पथराव करता हुआ दिखाई दे रहा है।इतने से उसका मन नहीं भरा, तो उसने एम्बुलेंस को आग के हवाले कर दिया। यह पूरा घटनाक्रम वीडियो में कैद हो गया। घटना सोमवार की बताई जा रही है। लेकिन वीडियो मंगलवार सुबह सोशल मीडिया पर वायरल हुआ। घटना में पशु चिकित्सक घायल हुआ है। वीडियो वायरल होने के बाद पुलिस हरकत में आई और आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया है।

सुवासरा थाने के एसआई शिवांशु मालवीय के जानकारी अनुसार सोमवार शाम को उन्हें ग्राम टोकड़ा निवासी अरविंद पिता भगवानलाल पंवार ने पशु एंबुलेंस के हेल्पलाइन नंबर 1962 पर सूचना दी कि उसकी गाय और कुत्ते को किसी ने गोली मर दी है। कॉल पर पशु चिकित्सक डॉक्टर सुमित वर्मा दल के साथ शासकीय वाहन से मौके पर पहुंचे।

यहां अरविंद ने शासकीय दल पर पहले तो देरी से पहुंचने का आरोप लगाकर पत्थर चलाए और फिर पशु एंबुलेंस में तोड़फोड़ कर उसमे आग लगा दी। आरोपी द्वारा किए गए हमले में पशु चिकित्सक को चोट भी आई है। पुलिस ने डॉक्टर सुमित वर्मा की शिकायत पर आरोपी अरविंद के खिलाफ धारा 353, 332, 427, 294, 506 के तहत मामला दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया है।

पूर्व में भी कर चुका ऐसी हरकत

सुवासरा थाने पर पदस्थ एसआई शिवांशु मालवीय के अनुसार आरोपी अरविंद पूर्व में भी इस तरह की हरकत कर डायल 100 को बुला चुका है। चूंकि उसमे पुलिस थी इसलिए उसने कोई हरकत नहीं की। लेकिन इस बार पशु एंबुलेंस को बुलवाकर उसमे तोड़ फोड़ कर आग लगा दी।

चुनाव आयोग करेगा एसडीएम जैन का सम्मान, राज्यपाल के हाथों होंगे सम्मानित

माही की गूंज, सैलाना।

मध्य प्रदेश चुनाव 2023 में सर्वाधिक मतदान सैलाना विधानसभा में दर्ज किया गया है। रिकार्ड मतदान 90.10 फीसद होने पर सैलाना विधानसभा क्षेत्र के रिटर्निंग अधिकारी को चुनाव आयोग द्वारा सम्मानित किया जाएगा। रिटर्निंग अधिकारी यानी सैलाना एसडीएम मनीष कुमार जैन को राज्यपाल के हाथों सम्मानित किया जाएगा। 14 वें राष्ट्रीय मतदाता दिवस में होने वाले सम्मान समारोह में 25 जनवरी 2024 को भोपाल के कुशाभाऊ ठाकरे (पुरानी विधानसभा) में चुनाव आयोग वृहद स्तर पर कार्यक्रम आयोजित कर रहा है। सैलाना विधानसभा क्षेत्र में मतदाताओ को मतदान के लिए प्रेरित करने के लिए किए गए अलग-अलग कार्यो के चलते सैलाना विधानसभा क्षेत्र प्रदेश में अव्वल रहा है। चुनाव आयोग इसलिए विधानसभा के रिटर्निंग अधिकारी मनीष कुमार जैन (एसडीएम) को राज्यपाल मंगुभाई पटेल के हाथों सम्मानित करेंगे। बता दें कि एसडीएम जैन ने चुनाव के दौरान मतदाता पर्ची को शत प्रतिशत वितरण करवाना, बाहर गए मतदाताओं को रिश्तेदारों के माध्यम से बुलवाना, घर-घर जाकर मतदाताओं को पीले चावल बांटकर मतदान के लिए प्रेरित करना, दूर रहे मतदान केंद्र को नजदीक के मतदान केंद्र पर लाकर मतदान करवाने जैसे कार्य किए थे। जिसके कारण प्रदेश में सैलाना विधानसभा में मतदान प्रतिशत में सबसे अव्वल रहा था।

आबकारी विभाग ने 192 करोड़ से अधिक का राजस्व किया अर्जित

माही की गूंज, रतलाम। जिले के आबकारी विभाग द्वारा जारी वित्तीय वर्ष में 192 करोड़ 67 लाख 86 हजार रुपए राजस्व अर्जित किया गया है। सहायक आबकारी आयुक्त श्रीमती नीरजा श्रीवास्तव ने बताया कि, जिले में अवैध मदिरा के निर्माण, संग्रह, परिवहन एवं विक्रय पर रोकथाम के लिए विभाग द्वारा विशेष अभियान संचालित किया गया।

अभियान के तहत विगत 1 अप्रैल से 31 दिसंबर तक की अवधि में 2410 न्यायालयीन प्रकरण पंजीबद्ध किए गए। इस दौरान 1983 बल्क लीटर देसी मदिरा, 581.78 लीटर विदेशी मदिरा, 5385 बल्क लीटर हाथ भट्टी कच्ची मदिरा तथा 77148 किलोग्राम महुआ लहान जप्त किया गया है। जिले में अवैध मदिरा के विरुद्ध विभाग का अभियान सतत जारी है। यह भी बताया गया है कि वित्तीय वर्ष में 12 राज्य सात वाहनों की नीलामी की जाकर विभाग ने 243172 रुपए का राजस्व प्राप्त किया।

गोल्ड लोन घोटाला मामले में एफआईआर दर्ज, जांच कर रही ईओडब्ल्यू पुलिस

माही की गूंज, शाजापुर।

स्टेट बैंक आफ इंदौर की शाजापुर में संचालित तीन बैंक शाखा और बैंक आफ इंडिया की नैनावद ग्राम में संचालित शाखा में सामने आए करोड़ों रुपए के गोल्ड लोन घोटाला मामले में ईओडब्ल्यू ने बैंक अफसर, सोने के आभूषण का मूल्यांकन करने वाले सुनार और उपभोक्ताओं के खिलाफ धोखाधड़ी सहित विभिन्न धाराओं में एफआइआर दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

करोड़ों रुपए का गोल्ड लोन

वर्ष 2021 में शाजापुर में एसबीआई बैंक की शहर के एबी रोड स्थित मुख्य शाखा, चौक बाजार स्थित शाखा और टंकी चौराहा के पास स्थित मगरिया शाखा और 2022 में बैंक आफ इंडिया की ग्राम नैनावद स्थित बैंक शाखा में नकली सोना गिरबी रखकर करोड़ों रुपये का गोल्ड लोन जारी किए जाने का मामला सामने आया था। मामले की जांच ईओडब्ल्यू को सौंपी गई थी। जिस पर ईओडब्ल्यू ने बारिकी से जांच करने के बाद चारों बैंक शाखा के मामले से संबंधित अधिकारी, कर्मचारी, सुनार और लोन लेने वाले लोगों पर केस दर्ज किया है।

ग्राहक के रूप में शाजापुर के कई नामचीन लोग शामिल

नैनावद स्थित बैंक आफ इंडिया की शाखा।

उल्लेखनीय है कि, गोल्ड लोन घोटाले में ग्राहक के रूप में शाजापुर के कई नामचीन लोग शामिल हैं। वहीं बैंक के भी शाखा प्रबंधक से लेकर अन्य कर्मचारियों को ईओडब्लू द्वारा मामले में आरोपित बनाया गया है। जब से यह घोटाला सामने आया है तब से ही बैंक अफसरों, सुनार और लोन लेने वाले ग्राहकों में हड़कंप रहा।हालांकि काफी दिनों से यह मामला ठंडे बस्ते में था किंतु एफआइआर दर्ज होने से एक बार फिर यह मामला गर्मा गया है।

मिलीभगत कर किया षड्यंत्र

मामले की जांच में ईओडब्लू ने माना कि, मामले में बैंक अफसर, जेवरों का मूल्यांकन करने वाले सुनार व लोन लेने वाले लोगों ने मिलीभगत कर पद का दुरुउपयोग किया और कर्तव्यों का सही ढंग से निवर्हन नही कर एकमत होकर अपराधिक षत्र कर बैंक के साथ धोखाधड़ी और बेइमानी करते हुए नकली सोने के जेवरात गोल्ड लोन के रुप में बैंक में गिरबी रखकर करोड़ों रुपये लोन स्वीकृत किए और बैंक को हानि पहुंचाई।इस पर बैंक अधिकारी, कर्मचारी, सुनार और लोन लेन वाले ग्राहकों पर धोखाधड़ी, कूटरचित दस्तावेज तैयार करने, षड़यंत्र करने और भ्रष्ठाचार अधिनियम व अन्य धाराओं में केस दर्ज किया है।

एसपी ईओडब्लू उज्जैन दिलीप सोनी ने बताया कि, शाजापुर और नैनावद में बैंक शाखा में सामने आए गोल्ड लोन के मामले में एफआइआर दर्ज कर जांच की जा रही है। जांच के बाद आरोपितों की गिरफ्तारी भी की जा सकती है।

पाटी में लगने वाले स्वास्थ्य शिविर का कलेक्टर ने किया निरीक्षण

माही की गूंज, बड़वानी।

कलेक्टर डॉ. राहुल फटिंग ने बड़वानी जिले के सुदूर विकासखण्ड पाटी के सीएम राईज स्कूल में 25 जनवरी को आयोजित होने वाले संभाग स्तरीय निःशुल्क वृहद स्वास्थ्य शिविर का स्थल का निरीक्षण कर उन्होने स्वास्थ्य शिविर में लगने वाले स्टालो का क्रमबद्ध निरीक्षण कर साथ ही पंजीयन, ओपीडी, डाक्टरो के बैठने, दवाई वितरण कक्षो में की जाने वाली व्यवस्थाओं के संबंध में विस्तारपूर्वक जानकारी प्राप्त कर अधिकारियो तथा मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी एवं सिविल सर्जन डॉ. अनिता सिंगारे को निर्देशित किया कि स्वास्थ्य शिविर में आने वाले मरीजो को किसी प्रकार की असुविधा न हो, इसके लिये आशा, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता, एएनएम, पुरूष स्वास्थ्य कार्यकर्ता एवं सीएचओ की वालेंटियर के रूप में भी ड्यूटी लगाई जाये। स्वास्थ्य शिविर में आने वाले मरीजो को पंजीयन से लेकर स्वास्थ्य परीक्षण एवं सभी प्रकार की पैथालाजी की जांचे एक ही स्थल पर हो, ऐसी व्यवस्था करने के निर्देश दिये।

आजीविका परियोजना भवन में व्यापारियो की बैठक ली

कलेक्टर डॉ. राहुल फटिंग ने 25 जनवरी को सीएम राईज स्कूल प्रांगण में संभाग स्तरीय निःशुल्क वृहद स्वास्थ्य शिविर के संबंध में पाटी के आजीविका परियोजना भवन में व्यापारियो की बैठक लेकर कलेक्टर ने बताया कि इस वृहद स्वास्थ्य शिविर में आने वाले इन्दौर के प्रसिद्ध चिकित्सको के संबंध में व्यापारियो को जानकारी देकर सभी से आव्हान किया कि वे भी पाटी के हाट-बाजार में आने वाले ग्रामीणजनो को शिविर के संबंध में जानकारी उपलब्ध कराये। अतः आप सभी व्यापारी अपने घर के सदस्यो और अपनी दुकानों पर आने वाले सभी ग्राहको को शिविर में पहुचकर निःशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण करवाने के लिये प्रोत्साहित करने का आव्हान किया।

सीएम राईज स्कूल बूदी (पाटी) के प्रांगण में लगने वाले संभाग स्तरीय निःशुल्क वृहद स्वास्थ्य शिविर में सीएम राईज स्कूल पाटी के भवन के स्टाफ रूम में अस्थिरोग विशेषज्ञ डॉ, अभिषेक पाल, डॉ. संदीप कुमार मिश्रा, डॉ. संजय रावत, डॉ. अविनाश मण्डलोई, बड़ा हाल में मेडिसिन विशेषज्ञ डॉ. यशवंत पंवार, डॉ. मेहुल, कक्ष क्रमांक - 2 में नाम, कान, गला रोग विशेषज्ञ डॉ. शैनल कोठारी, कक्ष क्रमांक-3 में न्यूरो सर्जन डॉ. पुलक निगम, न्यूरोलाजिस्ट डॉ. राजागुलफाम शेक, फिजीयोथेरेपिस्ट डॉ. निरजनसिंग, कक्ष क्रमाक-4 में कार्डियोजाजिस्ट एवं इको विशेषज्ञ डॉ. प्रदीप कुर्मी, डॉ. सौरभ कापडिया, डॉ. कुशाग्र टण्डन, डॉ. सुदर्शन ओड़िया, कक्ष क्रमांक-6 में शल्य रोग विशेषज्ञ डॉ. क्षिति निगम, कक्ष क्रमांक-7 में गेस्ट्रोइन्ट्रोलाजिस्ट विशेषज्ञ डॉ. अतुल शेडे, मेडिसिन विशेषज्ञ डॉ. दिनेश सिसोदिया, कक्ष क्रमांक8 में दंतरोग विशेषज्ञ डॉ. मनोज जैन, कक्ष क्रमांक - 9 में मनोरोग विशेषज्ञ डॉ. अस्विन चौहान, कक्ष क्रमांक 10 में नेफ्रोलाजिस्ट विशेषज्ञ डॉ. श्वेता मोगरा, डॉ. पदमिनी सरकारनूनगो, डॉ. दिपक चौहान, डॉ. ऋषभ उपस्थित रहकर मरीजो का स्वास्थ्य परीक्षण निःशुल्क करेंगे।

इसी प्रकार प्राथमिक विद्यालय बूदी (पाटी) के भवन के कक्ष क्रमांक-1 एवं 2 में शिशुरोग विशेषज्ञ डॉ. शचि जैन तारण, एवं डॉ. जेपी नागौर, कक्ष क्रमांक-3 में पिडीयाट्रिक आर्थो सजन डॉ. अर्पित अग्रवाल, कक्ष क्रमांक-4 में नेत्र विशेषज्ञ डॉ. आभा वर्मा, डॉ. शिवाती साहु, डॉ. युक्ता पटेल, बालक छात्रावास के अतिरिक्त कक्ष में पिडीयाट्रिक कार्डियोलाजिस्ट डॉ. रविरंजन त्रिपाटी एवं कार्डियोलॉजी काउन्सलर डॉ. मनीष गोखले स्वास्थ्य परीक्षण करेंगे। वहीं बीआरसी भवन बूदी (पाटी) अतिरिक्त कक्ष में एएनसी जां, प्रसूति एवं स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ. गायत्री मथुरिया, जनशिक्षक कक्ष में एएनसी, जांच, प्रसूति एवं स्त्रीरोग विशेषज्ञ डॉ. अनिता इनानी, कक्ष क्रमांक 1 में एएनसी, जांच, प्रसूति एवं स्त्रीरोग विशेषज्ञ डॉ. अनुराधा मालवीया, कक्ष क्रमांक 2 में एएनसी, जांच, प्रसूति एवं स्त्रीरोग विशेषज्ञ डॉ. निलम कतिया तथ बड़ा हाल में सोनोग्राफी के लिये डॉ. एलिजा कपाड़िय, डॉ. प्रदीप अहिरवाल, डॉ. मोहम्मद रिजवान, डॉ. यंशसवी शर्मा उपस्थित होकर अपनी सेवाए निःशुल्क प्रदान करेंगे।

इस दौरान जिला पंचायत सीईओ जगदीश कुमार गोमे, बड़वानी एसडीएम शक्तिसिंह चौहान, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. सुरेखा जमरे, सिविल सर्जन डॉ. अनिता सिंगारे, बड़वानी नगरपालिका अधिकारी कुशलसिंह डोडवे सहित विभिन्न विभागो के जिला एवं खण्ड स्तरीय अधिकारी, कर्मचारी उपस्थित थे।

बगैर अनुमति डीजे बजाने पर दर्ज हुई एफआईआर, वाहन समेत डीजे जप्त

माही की गूंज, खरगोन।

सक्षम अधिकारी की अनुमति के बैगर रात्री में तेज आवाज में डीजे बजाने की शिकायत मिलने पर गणेश चौक, इंदिरा नगर खरगोन के रहने वाले व्यक्ती के विरूद्ध खरगोन थाने में भादवि की धारा 188 एवं मध्यप्रदेश कोलाहल नियंत्रण अधिनियम के अंतर्गत एफआईआर दर्ज की गई है। डीजे बजाने के लिए उपयोग किये जा रहे आयशर वाहन क्रमांक एमपी 09 केबी 2524 एवं उसमें लगे स्पीकर एवं अन्य सामग्री को जब्त कर लिया गया है।

आयशर वाहन क्रमांक एमपी 09 केबी 2524 में तेज आवाज में डीजे बजाये जाने की शिकायत प्राप्त होने पर कोतवाली थाना के सहायक उपनिरीक्षक एवं उपनिरीक्षक द्वारा मौके पर जाकर जांच की गई तो पाया गया कि आयशर वाहन के पीछे डीजे सेट लगा हुआ है और उसमें 90 डेसीबल से अधिक ध्वनि में डीजे स्पीकर बजाया जा रहा है।

वाहन चालक से डीजे बजाने एवं स्पीकर के उपयोग संबंधी अनुमति पूछने पर चालक द्वारा बताया गया कि, इसकी कोई अनुमति नहीं है। कलेक्टर कार्यालय खरगोन द्वारा 20 दिसंबर 2013 को ध्वनि विस्तारक यंत्रों के उपयोग के संबंध में जारी आदेश एवं मध्यप्रदेश कोलाहल नियंत्रण अधिनियम का उल्लंघन पाये जाने जाने पर आयशर वाहन चालक राधेश्याम पाटिल के विरूद्ध थाना खरगोन में एफआईआर दर्ज की गई है। वाहन चालक राधेश्याम पाटिल के कब्जे से आयशर वाहन क्रमांक एमपी 09 केबी 2524 और उसमें पीछे रखे चार स्पीकर, 8 एम्पलीफायर, एक मिक्सर डायनाटेक कंपनी का एवं क्रास ओवर जब्त कर लिया गया है।

गणतंत्र दिवस पर सरकारी स्कूलों में बच्चों को मिलेगा खीर-पूरी-हलवा और लड्डू, अधिकारी भी चखेंगे स्वाद

माही की गूंज, बड़वानी।

मध्यप्रदेश सहित देश भर में शुक्रवार को गणतंत्र दिवस मनाया जाएगा, जिसको लेकर सभी जिलों में तैयारी भी शुरू हो गई है। वहीं, इस अवसर पर प्रदेश के बड़वानी जिले के शासकीय स्कूलों में पढ़ने वाले बच्चों को इस दिन मध्यान्ह भोजन के रूप में सब्जी, पूरी और खीर के साथ लड्डू का विशेष भोज खाने को मिलेगा।

यही नहीं इस विशेष भोज की गुणवत्ता को परखने और चखने के लिए सभी स्कूलों में एक-एक शासकीय अधिकारी भी मौजूद रहेंगे, जो बच्चों संग बैठकर भोजन ग्रहण करेंगे। इसको लेकर जिला कलेक्टर डॉ. राहुल हरिदास फटिंग ने सभी कार्यालयों को आदेश जारी कर दिए हैं।

बड़वानी में आने वाली 26 जनवरी को गणतंत्र दिवस के पर्व को बड़े ही हर्षोल्लास से मनाने की तैयारी चल रही है। वहीं, इस दिन शासकीय स्कूलों में मध्यान्ह भोजन कार्यक्रम के अंतर्गत बड़वानी में प्रत्येक शासकीय एवं शासन से अनुदान प्राप्त प्राथमिक एवं माध्यमिक विद्यालयों सहित बालश्रम शालाओं एवं मदरसों में विशेष भोज का आयोजन किया जाएगा। इस विशेष भोज में सब्जी-पूरी-खीर अथवा सब्जी-पूरी-हलुआ के साथ लड्डू का भी वितरण किया जाएगा। वहीं, बड़वानी जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी जगदीश कुमार गोमे से मिली जानकारी के अनुसार, गणतंत्र दिवस पर होने वाले मुख्य समारोह के मुख्य अतिथि किसी एक शाला के विशेष भोज कार्यक्रम में भाग लेंगे।

वहीं, इसे लेकर जिला कलेक्टर डॉ. राहुल फटिंग ने समस्त जिला अधिकारियों सहित मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत, विकास खंड शिक्षा अधिकारियों एवं विकास खंड स्त्रोत समन्वयकों को निर्देशित किया है कि वे अपने-अपने क्षेत्र की किसी न किसी एक शाला में विशेष भोज के समय उपस्थित होकर भोज ग्रहण कर मध्यान्ह भोजन की गुणवत्ता सुनिश्चित कराएं।

संसाधनों के लिए दुखी नहीं हो, जीवन को प्रतिदिन खुश होकर जीयें

शांत समय तनाव दूर करने का बेहतर माध्यम- नायब तहसीलदार

माही की गूंज, खरगोन।

राज्य आनंद संस्थान द्वारा आज 24 जनवरी को एक दिवसीय आनंद अल्प विराम कार्यक्रम सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सेंगाव में स्वास्थ्य विभाग की आशा कार्यकर्ताओ के बीच किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सेगांव नायब तहसीलदार पूनिया परमार ने अपने उद्बोधन में कहा कि संसाधनो के लिए दुखी नहीं हो, जीवन को प्रतिदिन खुश होकर जीयें, शांत समय तनाव दूर करने का बेहतर माध्यम है। उन्होंने कहा कि महिलाएं इस जीवन को आनंदमय माहौल में जीयें और स्वयं के बारे में आत्म चिंतन करे तभी खुश रह पायेंगी। जीवन को परिवार के साथ मिलकर कर जीएं। उन्होंने कहा कि महिलाए खुद के लिए समय निकालें, खुद के लिए जीयें और अपने स्वास्थ्य का भी ध्यान रखें। बहुत कुछ दूसरो के लिए सोचते है लेकिन थोड़ा सा अपनी खुशी के लिए भी जरुर सोचे।

कार्यक्रम की शुरुआत दीप जलाकर की गई। शुभारंभ सत्र में मास्टर ट्रेनर गणेश कानड़े ने प्रतिभागियों का परिचय लिया। ताली की मनोरंजक गतिविधि कराई। डिस्ट्रिक्ट प्रोग्राम लीडर केबी मंसारे ने आनंद की ओर सत्र लिया एवं शांत मौन की गतिविधि कराई। सीसीडी सत्र श्री गणेश कानड़े ने लेकर अपने जीवन में परिवर्तन की घटना बताई। आनंदम सहयोगी पप्पू यादव ने रिश्तों का सेशन लिया। चक्रवर्ती वीडियो फिल्म राज्य आनंद संस्थान का परिचय विडियो एवं गुब्बारे फिल्म दिखाई। मोनिका गुप्ता व अतिथियों द्वारा प्रमाण पत्र वितरित किए गए। कार्यक्रम मे रेखा गुप्ता, ज्योति सेन, संगीता बामनिया, सीमा चौहान का सहयोग रहा।

जेल में मना रामलला प्राण प्रतिष्ठा का जश्न

माही की गूंज, खरगोन।

अयोध्या में हो रहे रामलला प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव के रंग में पूरा देश रंगा हुआ नजर आया। मध्य प्रदेश का खरगोन शहर भी पूरी तरह से राममय दिखाई दिया। यहां राम की भक्ति से जेल परिसर भी अछूता नही रहा।

टेमला रोड स्थित जिला जेल में सोमवार को राम उत्सव के उपलक्ष्य में संगीतमय सुंदरकांड का आयोजन किया गया। जागृति रामायण मण्डल सदस्यों द्वारा गाये जा रहे संगीतमय दोहों को जब जेल में बंद कैदियों ने दोहराया तो माहौल राममय हो गया।

सुबह तक गूंजती रही राम धुन

आयोजन की विशेषता रही कि इसमें सभी धर्मों से जुड़े कैदी उत्साह से शामिल हुए। यहां सुबह 10 बजे से लगातार राम धुन गूंजती रही। सुंदरकांड के दौरान भजनों पर राम धुन में मग्न कैदी भक्ति भाव में झूमते, नाचते हुए नजर आए। उपजेल अधीक्षक विद्याभूषण प्रसाद ने बताया कि, दशकों बाद अयोध्या में भगवान श्री रामचंद्र की प्राण प्रतिष्ठा हो रही है, पूरे देश भर में राम नाम की धुन गूंज रही है, और जगह-जगह पर भगवान श्री राम के भजन, कीर्तन, भागवत, श्रीरामचरित मानस, सुंदरकांड और भंडारे का आयोजन किया जा रहा है।

हुआ सुंदरकांड का पाठ

इसको लेकर जेल में भी भगवान श्री राम की आराधना स्वरूप सुंदरकांड का पाठ रखा गया। सुबह जेल परिसर में स्थापित हनुमानजी की प्रतिमा का चोला श्रंगार भी किया गया। सुंदरकांड के बाद महाआरती की गई। कैदियों को भोजन में भी पकवान परोसे गए। इस आयोजन का उद्देश्य यह था कि कैदी भी इस ऐतिहासिक पल के साक्षी बने।

पॉलीटेक्निक कॉलेज में एन्टी रैगिंग समिति का किया गठन

माही की गूंज, खरगोन।

शासकीय पॉलीटेक्निक महाविद्यालय में शैक्षणिक सत्र 2023-24 के सुचारू संचालन के लिए एन्टी रैगिंग समिति का गठन किया गया है। एन्टी रैगिंग समिति के अध्यक्ष प्रभारी प्राचार्य इंजी. एसएस मुकाती एवं कलेक्टर प्रतिनिधि जीएडी शाखा के प्रभारी अधिकारी होंगे। इसी प्रकार समिति के सदस्यों में सीटी कोतवाली थाना प्रभारी, जनसंपर्क अधिकारी, आस्था ग्राम ट्रस्ट खरगोन, सेल्दा रोड़ बमनाला पालक केसरसिंह सिसोदिया, एमओएम प्रभारी विभागाध्यक्ष रणजीतसिंह रावत, व्याख्याता गणित विकास श्रीवास्तव, एफटी प्रभारी विभागाध्यक्ष इंजी, विजयसिंह चौंगड, ईटीई प्रभारी विभागाध्यक्ष इंजी. मनीष पुरस्वानी, आयटी प्रभारी विभागाध्यक्ष इंजी. स्मिता परसाई, सीएस प्रभारी विभागाध्यक्ष इंजी, दिपक पाटीदार, ईटीई व्याख्यता इंजी. श्री राजेन्द्र चौहान, इनकम टैक्स एवं टीपीओ सुश्री समता मण्डलोई, पुस्तकालय प्रभारी आरआर बर्डे, ईटीई प्रयोगशाला प्रभारी प्रकाश पाटीदार, एफ.टी. क्राफ्ट निर्देशक शंकरलाल पंचौरे, क्रमांक 2 सहायक छात्रावास अधीक्षिका श्रीमती ममता मण्डलोई, भौतिक प्रभारी शैक्षणिक शाखा श्रीमती ममता मण्डलोई, छात्र/छात्रा परिषद अध्यक्ष श्रृद्धा शर्मा, छात्र/छात्रा परिषद उपाध्यक्ष पायल सिसोदिया, छात्र/छात्रा परिषद सचिव हर्षिता सोलंकी होगी। संस्था स्तर पर एन्टी रैगिंग स्कॉट का कार्य श्री रणजतीसिंह रावत करेंगे।

माही की गूंज
बेबाकी के साथ...सच
एजेंसी देना है
झाबुआ जिले में
रंभापुर, मदरानी, झकनावदा, खवासा, राणापुर
अलीराजपुर जिले में
सौंडवा, कड्डीवाड़ा, छकतला, चांदपुर, बोरी
संपर्क - 9589882798, 9981318651

मुख्य समारोह होगा पुलिस परेड ग्राउण्ड में, मुख्य समारोह में झण्डावंदन कर परेड की सलामी लेंगे कलेक्टर

माही की गूंज, बड़वानी।

गणतंत्र दिवस मुख्य समारोह प्रातः 9 बजे से पुलिस परेड ग्राउण्ड बड़वानी में आयोजित होगा। जिले के इस मुख्य समारोह में झण्डावंदन कलेक्टर डॉ. राहुल फटिंग द्वारा कर, मुख्यमंत्री के संदेश का वाचन किया जायेगा। इस दौरान आकर्षक परेड, संयुक्त पीटी, सांस्कृति कार्यक्रम का प्रदर्शन कर विभिन्न विभागो द्वारा झांकिया निकाली जायेगी।

14 प्लाटून करेगी मार्च पास्ट

मुख्य समारोह के दौरान परेड कमाण्डर श्री चेतनसिंह बघेल एवं टूआईसी सुश्री उषा सिसोदिया के नेतृत्व में 14 प्लाटून मार्च-पास्ट करेगी। इन प्लाटून में विशेष सशस्त्र बल का नेतृत्व श्रीराम भावे द्वारा, जिला पुलिस बल का नेतृत्व वीरबहादुरसिंह द्वारा, जिला होमगार्ड बल का नेतृत्व कमल कुशवाह द्वारा, वन रक्षक बल का नेतृत्व श्री दुलेसिंह डावर द्वारा, एनसीसी सीनियर दल का नेतृत्व लेदाराम बरडे द्वारा, सीनियर महिला दल का नेतृत्व कुमारी हंसा अलावे द्वारा, आपदा मित्र दल का नेतृत्व श्री मिथुन देवरे द्वारा, एनएसएस दल का नेतृत्व कमलेश चौहान द्वारा, राष्ट्रीय सेवा का नेतृत्व सुश्री आस्था भवेल द्वारा, एनसीसी जुनियर दल का नेतृत्व आशीष बड़ोले द्वारा, एनसीसी जूनियर महिला का नेतृत्व सुश्री यती बघेल, शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय (स्काउट) का नेतृत्व सुश्री शीतल कुबेर द्वारा, जूनियर रेडक्रास प्लाटून एकलव्य स्कूल का नेतृत्व सुश्री मीतल सैनानी द्वारा, स्काउट बैण्ड का नेतृत्व श्री दशराज बच्चन द्वारा किया जायेगा।

6 स्कूल के विद्यार्थी प्रस्तुत करेंगे रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम

मुख्य समारोह में बड़वानी के केन्द्रीय विद्यालय बड़वानी , कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बडवानी, हरसुख दिगम्बर जैन बड़वानी, एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय बड़वानी, शासकीय उत्कृष्ट उच्चतर माध्यमिक विद्यालय क्रमांक'-1 बड़वानी तथा जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान बड़वानी के विद्यार्थी रंगारंग कार्यक्रम प्रस्तुत करेंगे।

150 विद्यार्थी करेंगे डम्बल्स का प्रदर्शन

मुख्य समारोह में 150 विद्यार्थी सामूहिक रूप से डम्बल्स का प्रदर्शन करेंगे। इस कार्यक्रम को शासकीय हायर सेकेण्डरी स्कूल क्रमांक-2 बड़वानी, बालकहाईस्कूल बड़वानी एवं सेंट मेरी स्कूल बड़वानी के विद्यार्थी डम्बल्स का प्रदर्शन करेंगे।

शाम को होगा भारत पर्व का आयोजन

गणतंत्र दिवस की संध्या पर शाम 6 बजे से आशाग्राम शिवकुंज टेकरी का मुक्त आकाश मंच बड़वानी में भारत पर्व का आयोजन किया जायेगा। इस आयोजन के दौरान देवास की कबीर गायन श्रीमती गीता पराग के द्वारा एवं नेपानगर के श्री मुकेश दरबार के द्वारा भगोरिया लोकनृत्य की प्रस्तुति देंगे।

गणतंत्र दिवस की ग्राउंड रिहर्सल के समय दिखा भारत का वैभव

माही की गूंज, खरगोन।

गणतंत्र दिवस के दो दिवस पूर्ण होने वाले फुल ड्रेस रिहर्सल 24 जनवरी को डीआरपी लाइन मैदान में जिले के मुख्य कार्यक्रम की हुई। कलेक्टर श्री कर्मवीर सिंह शर्मा के मुख्य अतिथ्य में आयोजित होने वाले गणतंत्र दिवस कार्यक्रम की रिहर्सल में अपर कलेक्टर जेएस बघेल ने मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित होकर झंडा वंदन किया। उसके पश्चात सशस्त्र बल ने हर्ष फायर कर झंडे को सलामी दी। सशस्त्र बल, महिला पुलिस बल, जिला पुलिस बल, एनसीसी, स्काउट गाइड, शौर्य दल, अश्व दल ने सलामी दी। सांस्कृतिक कार्यक्रम में देशभक्ति आजादी के इतिहास एवं वर्तमान में बढ़ रहे देश के गौरव एवं उपलब्धियां पर विभिन्न विद्यालयों ने अपने नृत्य के माध्यम से प्रस्तुतियां दी।

रिहर्सल पश्चात कार्यक्रम की नोडल अधिकारी अपर कलक्टेर श्रीमती लक्ष्मी गामड़ ने आवश्यक दिशा निर्देश प्रदान किए। कार्यक्रम का संचालन राजकुमार शर्मा, अमित शर्मा श्रीमती रंजीता पाटीदार ने किया। इस अवसर पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक बारिया, संयुक्त कलेक्टर श्रीमती हेमलता सोलंकी, एसडीएम भास्कर गाचले, सहायक आयुक्त प्रशांत आर्या उपस्थित थे। परेड का नेतृत्व रक्षित निरीक्षक भारत सिंह यादव एवं सूबेदार सुरेश सिसोदिया ने किया।

भाजपा नेता को लॉरेंस बिश्नोई गैंग ने फोन न उठाने पर मैसेज कर दी धमकी

इंदौर।

गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई आए दिन सुर्खियों में बना रहता है। फोन कॉल पर हत्या की धमकी और करोड़ों की रंगदारी मांगने को लेकर गैंगस्टर गिरोह का नाम कई बार सामने आ चुका है। एक बार फिर ऐसा ही एक मामला सामने आया है। मध्यप्रदेश के इंदौर में रहने वाले भाजपा नेता और बिजनेसमैन को विदेशी नंबर से कॉल आई और जब उसने नहीं उठाया तो व्हाट्सएप्प पर ऑडियो मैसेज आया और उसने अपना नाम लॉरेंस बिश्नोई बताया और धमकी दी कि फोन उठा लो, वरना मार डालेंगे।

इंदौर क्राइम ब्रांच के अधिकारी ने बताया कि, मंगलवार को भाजपा नेता और बिजनेसमैन अमरदीप सिंह औलख द्वारा शिकायती आवेदन दिया गया है कि उन्हें 19 जनवरी को एक व्हाट्सअप कॉल आया। पहले तो उस अनोन नम्बर का कॉल नहीं उठाया गया। लेकिन थोड़ी देर बाद उसकी नंबर से एक वॉइस मैसेज आया कि फोन उठा लो नहीं तो तुम नहीं जानते कि हम क्या कर सकते हैं। उसने अपना नाम लॉरेंस बिश्नोई कहा।

भाजपा नेता अमरदीप सिंह औलख ग्वालियर जिले के ग्रामीण उपाध्यक्ष हैं और बीते विधानसभा चुनाव में इंदौर के प्रभारी थे। आगामी लोकसभा चुनाव में उन्हें उज्जैन का प्रभार मिला है। वो इंदौर में रहकर अपना निजी व्यवसाय भी करते हैं।

डीसीपी आदित्य मिश्रा ने बताया कि, क्राइम ब्रांच के ऑफिस में भाजपा नेता अमर दीप सिह औलख द्वारा शिकायत दर्ज करवाई गई है कि उन्हें फोन पर धमकी दी गई है। वॉइस मैसेज में धमकी देने वाले ने अपना नाम लॉरेंस बिश्नोई बताया है। मैसेज के बाद वो नंबर बंद हो गया है जिसके बाद व्यापारी ने इसके लिए सीधे क्राइम ब्रांच से सम्पर्क किया।

डीसीपी आदित्य मिश्रा द्वारा शिकायत मिलने के तुरंत बाद मामले में एफआईआर दर्ज करवाई गई। जिस नंबर से फोन आया उसकी तुरंत साइबर शाखा में जांच करवाई गई। पता चला है कि यह एक वीओआईपी (वॉइस ओवर इण्टरनेट प्रोटोकॉल) नम्बर था। जिस नंबर से व्हाट्सएप्प मैसेज आया उस नम्बर की प्रोफाइल में भगवान का नाम लिखा है जिस कारण पुलिस का मानना है कि कोई लोकल व्यक्ति हो सकता है। हालांकि जांच की जा रही है।

क्या होता है वीओआईपी

डीसीपी आदित्य मिश्रा ने बताया कि वॉइस ओवर इंटरनेट प्रोटोकॉल टेलीकालिंग का जरिया जिसमें अनजान और विदेशी नंबर से कॉल आता है। इसका प्रयोग प्रसारण तकनीक के लिए किया जाता है। इस तकनीक में ध्वनि संचार अंतर्जाल (वॉयस कम्युनिकेशन इंटरनेट) या पैकेट स्विच नेटवर्क के माध्यम से किया जाता है।

श्री रामलला प्राण प्रतिष्ठा उत्सव में नन्हे बच्चों ने भगवान राम के मंदिर की आकृति भी बनाई

माही की गूंज, आम्बुआ।

आम्बुआ में विगत एक सप्ताह से अधिक दिनों तक श्री रामलला विराजमान उत्सव का आयोजन हुआ आयोजन में विभिन्न कार्यक्रमों के साथ ही बाल शिव भक्त मंडल द्वारा वॉल पेंटिंग तथा श्री रामलला सजाओ कार्यक्रम तथा सांस्कृतिक कार्यक्रम किए गए।

वॉल पेंटिंग में नन्हे चित्रकारों ने मंदिर प्रांगण में तथा मंदिर की दीवारों पर अपनी तूलिका चलाई तथा अयोध्या में नवनिर्मित रामलला के विशाल मंदिर की प्रतिकृति उकेरी जिसकी सभी ने मुक्त कंठ से प्रशंसा की। इसके अलावा भगवान भोलेनाथ, भगवान श्री कृष्णा, श्री गणेश रंग बिरंगी आकृतियां बनाई गई इसी कड़ी में आर्ट्स कला में निपुण श्रीमती सपना विमल खंडेलवाल ने मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्री राम की धनुषबाण वाली आकृति बनाकर सबका मन मोह लिया, सभी मुक्त कंठ से प्रशंसा की। इन्हीं की नन्ही बालिका हितान्वि ने भी अपनी कूचीं का लोहा मनवा दिया। श्री राम मंदिर की प्रतिकृति खुशी राठौड़ द्वारा लगभग तीन दिनों की कड़ी मेहनत से निर्मित की गई। लगभग दो दर्जन कलाकारों ने अपनी कला का प्रदर्शन किया। जिन्हें बाल शिव भक्त मंडल द्वारा प्रमाण पत्र मंदिर पुजारी शंकर लाल पारीख तथा पटवारी जितेंद्र सिंह डुडवे के कर कमलों से प्रदान किए गए।

दोस्त के जीजा से झगड़े के कारण की थी युवक की हत्या, दो आरोपित गिरफ्तार

माही की गूंज, उज्जैन।

छेटी मायापुरी में रहने वाले एक युवक की सात बदमाशों ने पत्थर, फर्शी से सिर कुचलकर हत्या कर दी थी। पुलिस ने मामले में दो आरोपितों को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में दोनों ने पुलिस को बताया कि उनके दोस्त के जीजा के साथ मृतक ने मारपीट की थी। जिसके कारण वह दोस्त के साथ युवक से बात करने पहुंचे थे। जहां विवाद बढ़ने पर उसे पत्थर व फर्शी से सिर कुचल दिया था। पुलिस अन्य आरोपितों की तलाश में जुटी है।

यह है घटना

बबलू पुत्र किशोर कछवाय उम्र 30 वर्ष निवासी छोटी मायापुरी देवासगेट पर फल का ठेला लगाता था। रविवार रात को उसके घर पर गोलू व

उसके पिता, बिट्टा और उसका पिता तथा भय्यू सहित दो अन्य युवक पहुंचे थे। यहां बबलू की मां कौशल्याबाई मौजूद थी।

सभी ने कहा कि राम-राम करना है

सभी ने बबलू के बारे में पूछताछ की तो कौशल्याबाई ने कहा कि क्या काम है बेटे से? सभी ने कहा कि राम-राम करना है। घर पर बबलू के नहीं होने पर सभी जाने लगे थे, उसी दौरान बबलू घर आ गया था। उसे देखते ही सभी ने उसके साथ मारपीट शुरू कर दी थी। फर्शी, पत्थर, व ईंट से उसका सिर कुचल दिया था।

मां से भी मारपीट की

बीच-बचाव करने आई मां से भी मारपीट की गई। घायल पुत्र को लेकर मां जिला अस्पताल पहुंची थी। यहां डाक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया था। मामले में पुलिस ने सुरेंद्र उर्फ बिट्टा व शुभम उर्फ भय्यू को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपितों ने बताया कि उनके दोस्त विनोद के जीजा के साथ मृतक ने मारपीट की थी। विनोद ही उन्हें लेकर गया था। जहां बात करने के दौरान बबलू घर से चाकू उठा लाया था। बचने के लिए फर्शी और पत्थर से हमला किया था। पुलिस मामले में फरार आरोपितों की तलाश में जुटी है।

रामलला की प्राण प्रतिष्ठा का कॉलेज में जश्न, दीए जलाने को लेकर भिड़े छात्र

महू।

अयोध्या में रामलला की मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा का जश्न मनाने के लिए इंदौर जिले के महू में दीए जलाने को लेकर बीआर आंबेडकर सामाजिक विज्ञान विश्वविद्यालय (ब्रॉस) परिसर में छात्रों के दो समूहों के बीच झड़प हो गई, जिसमें एक छात्र घायल हो गया। यह घटना उत्तर प्रदेश में प्राण प्रतिष्ठा समारोह संपन्न होने के बाद हुई। पुलिस ने दोनों पक्षों की शिकायतों के आधार पर दो अलग-अलग मामले दर्ज किये हैं।

विश्वविद्यालय ने अपनी ओर से मामले की जांच के लिए एक समिति का गठन किया है। बड़गोंदा थाना प्रभारी कैलाश सोलंकी ने बताया

सोलंकी ने कहा कि घटना में एक छात्र घायल हो गया।

बता दें कि सोमवार 22 जनवरी को अयोध्या के मंदिर में रामलला के नवीन विग्रह की प्राण प्रतिष्ठा की गई। इस मौके पर प्रधानमंत्री सहित कई वीवीआईपी लोग मंदिर परिसर में मौजूद थे। वहीं पूरा देश राम की भक्ति में डूबा नजर आया। लोगों ने दीवाली की तरह घर पर दीए जलाए, आतिशबाजी की। मंगलवार से मंदिर के कपाट श्रद्धालुओं के लिए खोल दिए गए हैं। श्रीरामलला के दर्शन का सिलसिला शुरू हुआ तो आस्थावानों की संख्या असंख्य होने लगी। दोपहर होते-होते करीब तीन लाख श्रद्धालु प्रभु का बाल रूप निहार कर निहाल हो चुके थे और करीब इतनी ही संख्या प्रतीक्षारत श्रद्धालुओं की थी।

मुख्यमंत्री के निर्देश पर जिलाधिकारी ने आठ स्थानों पर मजिस्ट्रेट तैनात कर दिए हैं। इन मजिस्ट्रेट को शांति, सुरक्षा, यातायात और लोक व्यवस्था के प्रबंधन के लिए लगाया गया है। श्रद्धालुओं के सुगम और सुरक्षित दर्शन हेतु अयोध्या पुलिस द्वारा सभी ड्यूटी प्वाइंटों पर पुलिस बल तैनात कर रही सतर्कता बरती जा रही है।

आश्रम तोड़कर बनाई जा रही थी बिल्डिंग, धमाके के साथ गिरी दीवार

माही की गूंज, उज्जैन।

जिले में निर्माणाधीन बिल्डिंग की धमाके से दीवार गिर गई। हादसे में एक मजदूर की मौत हो गई, वहीं एक अन्य मजदूर गंभीर रूप से घायल हो गया है। घटना के बाद आसपास से गुजर रहे लोगों ने एंबुलेंस सेवा 108 की मदद से दोनों मजदूरों को जिला अस्पताल पहुंचाया। जहां एक ने दम तोड़ दिया। बताया जा रहा है कि आश्रम को हटाकर बिल्डिंग बनाई जा रही थी।

सूचना पर माधव नगर पुलिस थाना प्रभारी योगेंद्र सिंह यादव पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे क्षेत्र का

मुआयना किया। एसएचओ टीम के साथ जिला अस्पताल भी गए जहां उपचार के दौरान एक मजदूर की मौत हो गई है। दूसरे मजदूर का उपचार जारी है बताया जा रहा है कि निर्माण दिन जगह पर पहले आश्रम था उसे तोड़कर नया निर्माण किया जा रहा था।

ज्योतिरादित्य सिंधिया ने फिर दिया कांग्रेस को बड़ा झटका

ग्वालियर।

केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने कांग्रेस को एक बार फिर बड़ा झटका दिया है। चंबल क्षेत्र से एक साथ कांग्रेस के 200 से अधिक नेताओं ने कांग्रेस छोड़ भाजपा का दामन थाम लिया है। कांग्रेस छोड़कर भाजपा में आए पूर्व विधायक राकेश सिंह मावई के नेतृत्व में 200 से अधिक कार्यकर्ताओं ने सिंधिया महल में बीजेपी का दामन थामा है। सिंधिया अपने पांच दिवसीय दौरे पर ग्वालियर चंबल अंचल में हैं और वह हर जिले में अपने समर्थक और कार्यकर्ताओं के बीच जा रहे हैं।

मुरैना विधानसभा से कांग्रेस के विधायक रहे राकेश मावई कांग्रेस से नाराज चल रहे थे। विधानसभा चुनाव में टिकट नहीं मिलने से नाराज राकेश मावई ने पिछले दिनों भाजपा का दामन थाम लिया था। केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया के समक्ष दिल्ली

पहुंचकर राकेश मावई ने भाजपा की सदस्यता ली। कांग्रेस यह झटका अभी झेल भी नहीं पाई थी कि सिंधिया ने राकेश मावई के माध्यम से कांग्रेस को एक बार फिर से जोरदार झटका देते हुए मुरैना के तमाम पदाधिकारी समय 228 कांग्रेसियों को भाजपा में शामिल कर लिया है।

संधिया के ग्वालियर स्थित जय विलास पैलेस में राकेश मावई कांग्रेस के पदाधिकारी और कार्यकर्ताओं को लेकर पहुंचे थे। यहां सिंधिया के समक्ष सभी पदाधिकारी और कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने बीजेपी जॉइन की। बीजेपी में शामिल होने वाले पदाधिकारियों में मुरैना की महिला कांग्रेस की जिला अध्यक्ष संजू शर्मा, अल्पसंख्यक विभाग के शहर अध्यक्ष हसनैन खान, बानमोर ब्लॉक के सभी मंडल अध्यक्ष, सेक्टर अध्यक्ष एवं मुरैना दक्षिण के सभी सेक्टर और मुरैना उत्तर के 15 सेक्टर एवं 7 मंडल एवं जिला पदाधिकारी और ब्लॉक पदाधिकारी समेत आईटी सेल की प्रदेश पदाधिकारी एवं जिला पदाधिकारी शामिल हैं।

लोकसभा चुनाव से पहले केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया सूबे में फिर सक्रिय नजर आ रहे हैं। यही कारण है कि, वह लगातार ग्वालियर चंबल में दौरे कर रहे है। सिंधिया भी चाहते हैं कि आगामी लोकसभा तक ग्वालियर चंबल अंचल में पार्टी और उनकी पकड़ मजबूत बन जाए। ग्वालियर से लोकसभा लड़ने के सवाल पर अबतक उन्होंने कोई पुष्टि नहीं की है।

विकसित भारत संकल्प यात्रा में पहुंचे सांसद, कार्यकताओं से की मुलाकात

माही की गूंज, बरझर।

क्षेत्रीय सांसद गुमानसिंह सिंह डामोर ने विधानसभा क्षेत्र जोबट के कड्डीवाड़ा व भाबरा ब्लाक का दौरा किया, जिसमें विकसित भारत संकल्प यात्रा, कार्यकताओं व अधिकारियों की बैठक में शामिल हुए। साथ में सांसद प्रतिनिधि विशाल रावत भी मौजूद रहे। सांसद डामोर व विशाल रावत कड्डीवाड़ा पहुंचे जहां भाजपा के कार्यकताओं से मिले व संगठन पर चर्चा की। साथ ही आगामी लोकसभा चुनाव में तैयार रहने की बात कहीं। लोकसभा चुनाव में बहुत कम समय है ऐसे में अपनी तैयार को लेकर संगठन को कहा साथ ही पंच सरपंच, जनपत सदस्य से जन संवाद कर समस्या का निराकरण करने के लिए अधिकारियों से कहा। साथ ही विशाल रावत ने कहा कि, राज राम का भव्य मंदिर व प्रतिष्ठा के शुभ अवसर आप ओर हम सब को उत्साह का माहौल है। हम जब एक दुसरे से मिले तो राम राम कहकर मिले इस परम्परा को इसी तरह कायम रखना है।

आजाद नगर के देवली में विकसित संकल्प भारत यात्रा में शामिल हुए सांसद

सांसद गुमान सिंह डामोर व सांसद प्रतिनिधि विशाल रावत आजाद नगर भाबरा के देवली में विकसित भारत संकल्प यात्रा में शामिल हुए। जहां सांसद गुमान सिंह डामोर ने केन्द्र सरकार व राज्य सरकार के द्वारा चलाई जा रही शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं को बताया ओर कहा कि हर व्यक्ति तक योजना का लाभ मिले हमारे यहीं प्रयास है। सांसद प्रतिनिधि विशाल रावत ने कहा कि, आज इस विकसित भारत संकल्प यात्रा जो गाव? गांव पहुंच रही है इसका मकसद है कि जो मोदी जी की गारंटी का लाभ मिल रहा या नही इसलिए विकसित भारत संकल्प यात्रा के माध्यम से सांसद आपके बीच आये है।

बरझर पहुंचकर कार्यकर्ता बैठक में भाग लिया

बरझर में सामुदायिक भवन में भाजपा कार्यकर्ता व जनप्रतिनिधियों की बैठक आयोजित की गई। जिसमें सांसद गुमान सिंह डामोर व सांसद प्रतिनिधि विशाल रावत ने भी शिरकत की। जिसमें रिगोल, बोरकुणडिया, बड़ा खुटाजा, बड़गांव, महेन्दा सहित आसपास के ग्रामीणों ने भी हिस्सा लिया। सांसद गुमानसिंह डामोर ने कार्यकताओ से चर्चा की सभी को एक होकर संगठन को मजबूत करने की बात कही।

इस दौरान कड्डीवाड़ा से भदू पचाया, उदयगढ़ से मांगीलाल चौहान, प्रवीण, जयपाल, राकेश, भाबरा से इन्दरसिंह डावर, नारायण अरोड़ा, भुपेंद्र डावर, हुजैफा असद अली, ज़िला पंचायत सदस्य बाबू, भुपेंद्र चौहान, भुपेंद्र सिगाड, सीईओं रविन्द्र गुप्ता, बीईओ, विनोद कुमार कोरी व सभी विभाग के कर्मचारी अधिकारी मौजूद थे।

लोकायुक्त ने 15 हजार की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों वनपाल बीबीएल पुष्कर को पकड़ा

माही की गूंज, उज्जैन। दिनांक 19 जनवरी 2024 को आवेदक सुरेश पाटीदार अपने सेठ कमलेश के साथ लोकायुक्त उज्जैन कार्यालय आकर लोकायुक्त पुलिस अधीक्षक अनिल विश्वकर्मा को शिकायत की कि वनपाल बीबीएल पुष्कर के द्वारा 15 हजार रुपए की रिश्वत की मांग की जा रही है। नहीं देने पर केस में फसाने की धमकी दी जा रही है। जिस पर पुलिस अधीक्षक के द्वारा निरीक्षक दीपक सेजवार को शिकायत की सत्यता की जांच हेतु दी गई। निरीक्षक दीपक सेजवार के द्वारा शिकायत सत्य पाए जाने पर 23 जनवरी को डीएसपी सुनील तालान एवं निरीक्षक दीपक सेजवार के नेतृत्व में ट्रैप दल तैयार किया गया। वन मंडल कार्यालय के पास परिसर में सुरेश पाटीदार से 15 हजार रुपए की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों वनपाल बीबीएल पुष्कर को पकड़ा गया है, कार्रवाई जारी है।

लोकसभा चुनाव को लेकर भाजपा का मंथन शुरू, नए नाम की चर्चा जोरों पर, स्थानीय संगठन में फेरबदल की भी सभावना

तीसरी बार भी मोदी के नाम के पत्थर तेराने की तैयारी, मंत्री निर्मला भूरिया की रहेगी मुख्य भूमिका

माही की गूंज, झाबुआ।

विधानसभा चुनावो में ऐतिहासिक जीत दर्ज करने के बाद भाजपा ने मिशन 2024 की तैयारियां बड़े स्तर पर शुरू हो चुकी हैं और चुनाव में इस बार के भाजपा प्रत्याशी के नाम पर चर्चा चल पड़ी है। इस बार वर्तमान सांसद गुमान सिंह डामर की टिकिट भी कटने की बात की जा रही है। संगठन से लेकर जमीनी कार्यकर्ताओ तक गुमानसिंह के नाम का कड़ा विरोध है। भाजपा के केंद्रीय नेतृत्व द्वारा विधानसभा की टिकिट वितरण के लिए किए गए सर्वे के दौरान ही सांसद गुमानसिंह का विरोध तीनो जिलों की 8 विधानसभा में खुल कर सामने आया था। विधानसभा चुनावों के दौरान संसदीय क्षेत्र की किसी भी विधानसभा में विशेष सक्रिय नही देखी गई या ऐसा भी कहा जा सकता है विधानसभा में भाजपा की ओर से उतरे ज्यादातर प्रत्याशियों ने सांसद को खुद के प्रचार पसार से दूर ही रखा। रतलाम जिले की सैलाना सीट में जरूर प्रत्याशी तय करने में सांसद की भूमिका रही। लेकिन यहां भाजपा के लिए परिणाम इतने भयंकर रहे कि पूरे मध्यप्रदेश में चली भाजपा की आंधी में भी भाजपा यहां तीसरे नम्बर पर रही और दूसरे नम्बर पर रही कांग्रेस से भी आसपास का मुकाबला तक नही रहा।

संगठन में फेर बदल भी सम्भव

पेटलावद विधानसभा, गुमानसिंह डामोर के शुरू से निशाने पर रही हैं और अपनी राजनीतिक जमावट भी इस विधानसभा में मजबूत कर रखी है। विधानसभा चुनाव के दौरान सांसद खेमा पूरी तरह निष्क्रिय रहा और अन्दर खाने से निर्मला भूरिया को हराने के प्रयास करता रहा। भारत आदिवासी पार्टी ने अगर जोर नही किया होता तो सांसद खेमा अपने मंसूबो में लगभग कामयाब हो चुका था। विधानसभा चुनाव के दौरान जो-जो जवाबदार पदाधिकारी थे जिनके द्वारा निर्मला भूरिया को हरवाने की कोशिश की गई उनकी पूरी सूची प्रदेश संगठन के पास भी पहुँच चुकी है। राजनीतिक सूत्र बताते है जल्द ही पेटलावद संगठन में बड़ा परिवर्तन हो सकता है।

केबिनेट मंत्री की रहेगी अहम भूमिका

पूरी लोकसभा क्षेत्र की 8 विधानसभा के परिणाम देखे जाये तो भाजपा रतलाम जिले की दो सीटों को छोड़कर कोई खास प्रभाव नही छोड़ पाई और जहा जीत मिली वहां मामूली अंतर से जीत हुई और थांदला विधानसभा को छोड़ कर भाजपा जोबट और सैलाना विधानसभा में बड़े अंतराल से हार हुई। भाजपा के रतलाम-झाबुआ लोकसभा क्षेत्र की विधानसभा में भाजपा के कमजोर प्रदर्शन को देखते हुए तीनो जिलों से जीते विधायको को कैबिनेट मंत्री बनाया गया। पेटलावद विधानसभा से केबिनेट में पहुँची विधायक निर्मला भूरिया की भूमिका अहम रहेगी । संगठन में होने वाले परिवर्तन की स्थिति को देख कर बहुत कुछ साफ होने की सभावना है। निर्मला भूरिया के साथ गुमानसिंह का राजनीतिक टकराव कोई नया नही है। वही अलीराजपुर में नागरसिंह एंड कम्पनी तो रतलाम में कश्यप ग्रुप से भी सांसद डामोर के कोई खास संबंध नही है ओर समय-समय पर इनके बीच भी राजनीतिक टकराव की खबरे आती रही है। जो सांसद डामोर की रिटर्न टिकिट में परेशानी का सबब बना हुआ है।

खतरे में गुमान की सांसदी

स्वागत समारोह में अनदेखी,बधाई के पोस्टरों से गायब सांसद

मंत्री बनने के बाद निर्मला भूरिया और नागरसिंह चौहान के जगह-जगह हुए स्वागत समारोह में भी सांसद डामोर की खासी फजीयत होती देखी गई। भाजपा नेताओं ने बधाई के पोस्टरों से उनके फोटो तक को गायब कर दिया। वही स्वागत के दौरान भी सांसद जबरन शामिल होते नजर आये। सांसद को भाजपा नेताओ ने माला तक नही पहनाई, यहां तक कि मंच पर माइक भी खुद बोल कर लेना पड़ा। स्वागत कार्यक्रमों के दौरान सांसद डामोर के चेहरे की फीकी चमक खुद बता रही थी कि, टिकिट को लेकर खुद भी आश्स्वत नही है।

कई नाम चर्चा में

लगातार दो बार प्रधानमंत्री बन चुके नरेंद्र मोदी का जलवा आज भी कायम है और 22 जनवरी के दिन हुई अयोध्या में राम भगवान की प्राण प्रतिष्ठा के कार्यक्रम के बाद उनकी लोकप्रियता में और ज्यादा पंख लग गये है और लोकसभा चुनाव में उतरने की तैयारियों में जुटे हैं वो मोदी के नाम पर वोटो के पत्थर तेरा कर जीत हासिल करने का दावा कर रहे हैं। लोकसभा के लिए हर बार एक या दो ही नाम सामने होते हैं लेकिन इस बार कई नामो पर चर्चा है। जिसमे पेटलावद ओर आलीराजपुर से मध्यप्रदेश सरकार में मंत्री बने निर्मला भूरिया ओर नागरसिंह चौहान के नाम है। तो चुनाव हारे अजजा के प्रदेश अध्यक्ष कलसिह भाभर का नाम भी चर्चा में है। खुद वर्तमान सांसद गुमानसिंह डामोर इस सूची में आगे जरूर है लेकिन शिवगंगा फेम के राजाराम कटारा जिनको अयोध्या के आयोजन में निमंत्रण मिला था और जिले से एक मात्र आदिवासी थे जिनको निमंत्रण मिला था। रतलाम जिले से इस बार उनकी भी दावेदारी की सभावना व्यक्त की जा रही है। जिसमे रतलाम ग्रामीण से विधायक रहे दिलीप मकवाना का नाम भी है जिनको इस बार विधानसभा चुनाव में ब्रेक दिया। रतलाम शहर और रतलाम ग्रामीण से इस बार भाजपा को मिले बम्पर वोटो को देखते हुए मंत्री चेतन कश्यप की ओर से भी नाम आगे बढ़ाया जा सकता है।

मिशन 29 में मोदी-शाह के निर्णय को नकारना मुश्किल

मध्यप्रदेश की सभी 29 सीटों पर जीत हासिल करने का भाजपा ने टारगेट किया हुआ है । छतरपुर के बाद भाजपा के लिए प्रदेश में कोई मुश्किल सीट है तो वो रतलाम-झाबुआ-अलीराजपुर लोकसभा सीट है, जहां कांग्रेस के कद्दावर नेता कांतिलाल भूरिया की कड़ी चुनोती भाजपा को मिलनी है। जहां जहा भाजपा परेशानी में है, वहा केंद्रीय नेतृत्व बड़ा निर्णय लेगा ये तय है। जिंसमे नरेंद्र मोदी और अमित शाह की महत्त्वपूर्ण भूमिका होगी और इनकी ही अनुमति ओर सहमति से नाम आगे आएगा और जो नाम तय हो उसे नकारना या बागी होना किसी के लिए भी मुश्किल होगा। मध्यप्रदेश सरकार में मंत्री बन कर बैठे विधायक को भी यदि सांसद का टिकिट दिया जाता है तो सहर्ष स्वीकार कर मैदान में उतरना पड़ेगा। कुल मिला कर इस बार सांसद गुमानसिंह के लिए चुनाव लड़ने से ज्यादा बड़ी चुनोती टिकिट लाने की हो चली है ।

हरियाणा पुलिस पारा में क्यों...? बना चर्चा का विषय

15 सौ किमी. दूर इसार थाना क्षेत्र में हुई लूट व चोरी के तार बोरी से लेकर पारा तक

माही की गूंज, झाबुआ/ पारा

किसी भी अन्य राज्य की पुलिस, किसी गांव में स्थानीय पुलिस के साथ पूछताछ करती है और लोगों के सामने उसका खुलासा नहीं होता है तो, ऐसे में यह जरूर चर्चा का विषय हो जाता है कि, मामला कुछ न कुछ बड़ा ही होगा। कुछ इसी तरह की चर्चा का दोर जिले के ग्राम पारा के स्थानीय लोगों में चल रहा है। पिछले दो-तीन दिनों से पारा में घूम रही पड़ोसी राज्य की नहीं बल्कि यहां से करीब डेढ़ हजार किलोमीटर आगे से आई हरियाणा पुलिस गांव में किसी आपराधिक मामले को लेकर छानबिन कर रही थी। लेकिन पुलिस किस मामले को लेकर छानबीन कर रही थी यह खुलासा ग्राम के लोगों के सामने नहीं हुआ। तो लोगों में भी हरियाणा से आई पुलिस व उसके छानबीन किए जाने वाले मामले को जानने की जिज्ञासा लोगों में बढ़ गई। ऐसे में इस जिज्ञासा का उत्तर बुधवार को गोलू सोनी की ज्वेलर्स की दुकान बंद होने पर कई सवाल खड़े होने के साथ पारा निवासियों के मन ने उत्तर ढूंढ लिया कि, कहीं न कहीं हरियाणा पुलिस की छानबीन चोरी हुए किसी जेवरात के मामले में ही पारा आई है और हरियाणा पुलिस की पूछताछ के बाद गोलू की दुकान बुधवार को बंद होना यानी पूरी शंका का शक गोलू सोनी पर स्थानीय लोग करते नजर आए। हो न हो गोलू सोनी ने ही चोरी हुआ सामान खरीद लिया है और इसलिए गोलू ने अपनी जेवरात की दुकान बंद कर कहीं रफू चक्कर हो गया है की चर्चा मन ही मन चलने लगी।

इन्ही चर्चाओं के दौर के साथ एक जागरूक नागरिक ने माही की गूंज कार्यालय पर फोन कर उक्त सारी जानकारी दी। जिसके बाद पारा चौकी प्रभारी रमेश कोली से गूंज कार्यालय से बात की तो बताया कि, लोगों की शंका सही दिशा में जा रही है, हरियाणा पुलिस हरियाणा के इसार थाना क्षेत्र में किसी दुकान और मकान में लूट व चोरी हुए जेवरात की तहकीकात के साथ हरियाणा पुलिस अलीराजपुर जिले के बोरी पहुंची थी।

श्री कोली ने गूंज को बताया कि, लुटेरों ने चोरी के जेवरात बोरी के किसी कपिल जैन को बेचे थे। कपिल जैन को हरियाणा पुलिस ने गिरफ्तार किया तो पूछताछ में कपिल जैन ने बताया कि, चोरी का खरीदा हुआ माल पारा के गोलू सोनी को बेचा है पर गोलू सोनी पुलिस की प्रथम पूछताछ में कह रहा है कि, मैंने चोरी का माल नहीं खरीदा है। पर गोलू सोनी का इस तरह से दुकान बंद कर जाना क्या संदेह देता है? के जवाब में चौकी प्रभारी रमेश कोली भी निरूत्तर हो गए और कहा, हां यह बात तो सही है।

गूंज कार्यालय से चौकी प्रभारी से हुई चर्चा के बाद फिर से हरियाणा पुलिस अपने वाहन क्रमांक एचआर 20 जीवी 8151 से गोलू को मिलने पहुंची। परंतु गोलू अपनी दुकान बंद कर रफू चक्कर था। समाचार लिखे जाने तक अभी यह बात जरूर सामने आई की हरियाणा ईसार थाने के अंतर्गत हुई लूट या चोरी के तार कहीं न कहीं अलीराजपुर जिले के बोरी के साथ झाबुआ जिले के पारा तक तार जुड़े हुए हैं। खैर आगे हरियाणा पुलिस की क्या कार्रवाई होती है यह तो बाद में ही पता चलेगा।

कड़कड़ाती ठंड से फसलों को हो रहा नुकसान

माही की गूंज, बरवेट। जगदीश प्रजापत

कड़ाके की ठंड ने हाल बेहाल कर रखा है। उत्तर भारत सहित कई राज्यो में तापमान लुढ़ककर नीचे आ गया है। किसानों को चिंता सताने लगी है। किसानों का कहना है कि फसलो से उत्पादन में कमी आएगी, वही भूसे की समस्या उत्पन्न हो जाएगी। किसानों का कहना है कि जंगली पशुओं से फसलो को बचाया जा सकता है, लेकिन मौसम की मार से अपनी फसलो को कैसे बचाए। बुधवार को सुबह अंचल में फसलों पर बर्फ जमी हुई देखी गई है। जिसके कारण किसानों की फसलों को नुकसान होने कि सभावना व्यक्त की जा रही है।

ठंड के असर से फसलों पर जम गई बर्फ

अंचल में पारा लुढ़कने से ठंड सितम ढा रही है। मंगलवार को न्यूनतम तापमान में गिरावट दर्ज की गई। तापमान लुढ़कने से ठंड सबाब पर पहुंची हुई है। ज्यादा ठंड गिरने के साथ अब फसलों के ऊपर खतरा मंडरा रहा है। अंचल में फसलो पर बर्फ जमने की बात भी सामने आ रही है।

उत्तर भारतः बर्फ बारी का असर

उत्तर भारत मे भारी बर्फ बारी के कारण शीत लहर का प्रकोप जारी है। पारा लूढ़कने से पड़ रही कंपकंपा देने वाली ठंड से आम जनजीवन काफी प्रभावित है। सबसे अधिक परेशानी ग्रामीण क्षेत्रों के रहवासियों को झेलनी पड़ रही है। ग्राम बरवेट के किसान गेंदालाल डामर ने बताया आज ठंड कुछ ज्यादा ही गिरी है। सुबह सुबह जल्दी उठकर खेत पर पहुचा तो गेहू फसल पर बर्फ जमी हुई दिखी। इसी तरह कालूराम पटेल के अनुसार फसलों पर भी ठंड के प्रभाव के चलते बर्फ की परत की संभवना बढ़ गई है। उन्होंने बताया कि जब सुबह ग्रामीण जागे तो खेतों में लहलहा रही फसलो पर बर्फ जमी देखकर नुकसान की आशंका जताई है, कहा तोर पर हाइब्रिड, एव बैल वाली सब्जियों पर। शरीर को कंपकंपा देने वाली ठंड से राहत पाने सुबह से ही लोगों ने आग जला ली और काफी देर तक बैठे रहे।

जलते दिख रहे अलाव

अंचल में जैसे-जैसे ठंड में इजाफा हो रहा है वैसे-वैसे बरवेट क्षेत्र में अलाव जलते नजर आ रहे हैं। मकर संक्रांति के बाद से ही ठंड ने अपने तेवर दिखाने शुरू कर दिए है। बरवेट बस स्टैंड समेत सार्वजनिक स्थानों पर अलाव जलते नजर आने लगे हैं। शाम से ही लोग लकड़ी, कागज, गत्ता, बुरादा, सूखे पत्ते का जुगाड़ कर आग जलाकर तापते नजर आने लगते हैं।

ज्यादा ठंड बेहद घातक

कृषि मित्र उज्ज्वल त्रिवेदी ने बताया कि अधिक ठंड पड़ना फसलों के लिए बेहद घातक हो सकती है। अधिक ठंड गिरने से फसलो पर बर्फ जमने के कारण पौधों की कोशिका भित्ती में मौजूद जल जम जाता है। जल जमने के बाद कोशिका भित्ती फटने से पौधे की मौत हो जाती है। पौधों की पत्तियां, कोंपलें, फूल, फल सब कुछ बर्बाद हो जाते हैं।

देवेंद्र की चतुराई का बड़ा खेल: फैक्ट्री का एरिया नाम मात्र पर अलॉटमेंट बड़ा

माही की गूंज, झाबुआ।

जिले की आर्थिक राजधानी कही जाने वाली मेघनगर के औद्योगिक क्षेत्र में वाणिज्य, उद्योग एवं रोजगार विभाग से उद्योग हेतु लीज पर आवंटित भूमि करवाकर उद्योग के आड़ में अवैध कारोबार करने वाला देवेंद्र भानपुरिया की करस्तानिया तब उजागर हुई, जब देवेंद्र भानपुरिया ने सोशल मीडिया ग्रुप में खुलेआम अपने प्रभाव को प्रदर्शित किया। तथा प्रतिमाह फैक्ट्री से ही 3 लाख तक कमाने की बात कहने के साथ एसपी तक को अपने पांव की जूती समझने जैसे उद्गार प्रदर्शित किये। इतना ही नहीं इस प्रभावशील व्यक्ति ने यहां तक कहा कि, मेरे पिता के पद चिन्हों पर चल, जिससे भी लिया उसको समय के साथ चुकाया आदि देवेंद्र की कही बातों पर सोशल मीडिया पर माही की गूंज की नजर गई और हमारी कलम से लिखा पिछले अंक में ÷औद्योगिक क्षेत्र बर्फ प्लांट में मांसाहारी ढाबे के साथ परोसी जाती है शराब÷ ÷तुषार इंडस्ट्रीज का प्रो. देवेंद्र भानपुरिया सोशल मीडिया पर पुष्टि करता है कि एक नंबर में ही तीन लाख कमाता हूं, तो ढाबे व शराब का अलग से कितना होगा मुनाफा...? ''सोशल मीडिया पर देवेंद्र भानपुरिया खुलेआम एसपी तक को समझ रहा है अपने पैरों की जूती÷ शीर्षक के साथ समाचार प्रकाशित हुआ था । जिसमें बर्फ फैक्ट्री की आड़ में किस तरह से मांसाहारी ढाबा व ढाबे पर अवेध शराब विक्रय करता है का खुलासा किया था। उक्त समाचार प्रकाशन के साथ ही कई तथ्यात्मक जानकारियां देवेंद्र भानपुरिया व उसकी फैक्ट्री तुषार इंडस्ट्रीज के संबंध में हमारे सूत्रों ने भी हमें दी। जिसका हम क्रमशः प्रकाशन भी करेंगे कि किस तरह से देवेंद्र भानपुरिया अपनी चतुराई से लोगों को गुमराह करता रहा है और कौन-कौन लोग ऐसे भी है जो देवेंद्र भानपुरिया से प्रताड़ित थे वरन् बड़ा पैसा कमाने के बाद भी लोगों को पैसा नहीं चुकाया, यह भी सामने आएगा। खैर आज हम देवेंद्र भानपुरिया द्वारा अलॉटमेंट करवाई गई जमीन व उस पर चल रही तुषार इंडस्ट्रीज की बर्फ फेक्ट्री की बात करें तो, बर्फ प्लांट के नाम से 19 दिसंबर 2007 में तुषार इंडस्ट्रीज के नाम से 12-बी का यह प्लाट नंबर, 30 साल के लिए लीज पर औद्योगिक विभाग से अलॉट करवाया। जिसका प्लांट एरिया अलॉटमेंट 5 हजार 1 सौ 85 वर्ग मीटर का अलॉट करवाया।

वाणिज्य, उद्योग एवं रोजगार विभाग की गाइडलाइन अनुसार पट्टा ग्रहीता किसी भी गाइडलाइन का उल्लंघन करता है। ऐसे में पट्टादाता द्वारा पट्टा निरस्तीकरण किया जा सकता है। जो कंणिका 16 व 24 आदि में वर्णित किया गया है। गाइडलाइन में यह भी वर्णित है कि, जितनी जमीन जिस उद्योग के लिए अलॉटमेंट की गई है वह उद्योग उस जमीन पर शेड या पक्का भवन बनाकर उद्योग करना होता है । अगर अलॉटमेंट की गई जमीन में उद्योग का पैमाना कम होकर किये जा रहे उद्योग के बाद खाली पड़ी जमीन का निरीक्षण कर विभाग लीज की जमीन की पेनल्टी के रूप में रॉयल्टी वसूल करने का प्रावधान है वह भी एक समय सीमा तक। एक समय सीमा तक पूरी जमीन में अपना उद्योग निर्धारण की सूचना लिखित व चस्पा कर पट्टा ग्रहीता को सूचित किया जाता है। उक्त समय सीमा में भी खाली पड़ी जमीन का उपयोग पट्टा ग्रहीता अपने उद्योग लगाने के साथ नहीं करता है तो, वह जमीन का पट्टा निरस्तीकरण किया जाना आवश्यक होता है। वही शासकीय अलॉटमेंट हुए पट्टे की भूमि पर गाइडलाईन के विरुद्ध कोई वैध या अवैध व्यापार होने की स्थिति में भी वाणिज्य, उद्योग एवं रोजगार विभाग द्वारा लीज पर दिया हुआ पट्टा का निरस्तीकरण किया जाना होता है।

देवेंद्र भानपुरिया द्वारा मेघनगर औद्योगिक क्षेत्र में 19 दिसंबर 2007 को अलॉटमेंट करवाए गए प्लाट नंबर 12-बी, प्लांट एरिया 5 हज़ार 1 सौ 85 वर्ग मीटर है। लेकिन 2007 से आज तक अलॉटमेंट हुई भूमि का चौथा या पांचवें हिस्से में ही फैक्ट्री का शेड बनाकर अपना उद्योग संचालित कर रहा है की जानकारी सुत्र दे रहे है। वही देवेंद्र भानपुरिया अनुसार ही वार्षिक इनकम एक नम्बर में 24-36 लाख रुपए कमा रहा है। बाकी भूमि अब तक भी खाली ही पड़ी है। नतीजन एकेवीएन की गाइडलाईन अनुसार, खाली पड़ी जमीन का निरस्तीकरण हो जाना था ऐसा जानकारी रखने वाले बताते है। पर ऐसा नहीं हुआ और अपनी औद्योगिक क्षेत्र की जमीन पर अवैध रूप से मांसाहारी ढाबा व अवैध शराब का विक्रय करने के साथ सारी शासकीय गाइडलाईन का उल्लंघन देवेंद्र भानपुरिया द्वारा किए जाने के बाद भी अर्थ व राजनीतिक प्रभाव के साथ, साठ-गाँठ के चलते अभी तक खाली पड़ी जमीन का न ही निरस्तीकरण हुआ और न ही शासकीय भूमि पर चल रहे मांसाहारी ढाबा व अवैध शराब का कारोबार बंद हुआ। जिससे यह साफ होता है कि, देवेन्द्र हर स्तर पर प्रभावशाली व्यक्ति है।

वही बताया जाता है कि, पुलिस व आबकारी ने 2007 के बाद अब तक अपनी खानापूर्ति के लिए अवैध शराब के प्रकरण भी एक से अधिक बार बनाए है। वो प्रकरण ही इस बात की पुष्टि करते है कि, उद्योग के लिए ली गई शासकीय भूमि पर अवैध रूप से देवेंद्र भानपुरिया अपने अर्थ व राजनीतिक प्रभाव के साथ ही अपना अवैध कारोबार करता आ रहा है और अब देवेंद्र भानपुरिया द्वारा ही सोशल मीडिया पर उसके प्रभाव की वह पुष्टि भी कर रहा है कि, पिछले 17-18 सालों से जो वह अवैध कारोबार कर रहा है उसको कोई बंद नहीं करा सका है ?

अंडाकार घेरे में तुषार इंडस्ट्रीज का आवंटित दिनांक, प्लाट नम्बर व आंवटीत प्लाट एरिया।

उद्योग हेतु आंवटीत लिज भूमि का पुर्ण उपयोग नही होने की दिशा में बची जमीन का निरस्तीकरण किये जाने संम्बधित शासकिय गाईडलाईन।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, अलका भटेवरा द्वारा काम्पेक प्रिन्टर्स प्रायवेट लिमिटेड, 3/54, प्रेस कॉम्प्लेक्स, ए. बी. रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 499, बाजना मार्ग, गणेश मंदिर के सामने, खवासा, तहसील थांदला, जिला-झाबुआ (म.प्र.) से प्रकाशित। प्रधान संपादक- संजय भटेवरा, संपादक- धर्मेन्द्र पंचाल । मोबाइल नं. -95898-82798 (सभी विवादों का न्यायालय क्षेत्र झाबुआ रहेगा) आरएनआई नंबर- एमपीएचआईएन/2018/76422